मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 59
सोमवार, 07 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मोदी सरकार ने भारत को 2029 तक मादक पदार्थ मुक्त बनाने का प्रारूप तैयार किया : अमित शाह

नई दिल्ली, 06 सितम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि नशा-मुक्त युवा शक्ति 2047 में 'विकसित भारत' का नेतृत्व करे तथा इस सिलसिले में केंद्र सरकार ने 2029 तक भारत को नशा-मुक्त बनाने के लिए एक प्रारूप तैयार किया है। शाह ने कहा कि विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए मोदी सरकार देश को नशा-मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ठीक वैसे ही जैसे उसने नक्सलवाद और आतंकवाद की समस्या को खत्म करने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि 2029 तक 'मादक पदार्थ मुक्त भारत' के लक्ष्य के तहत केंद्र ने नशीले पदार्थों की तस्करी से लेकर वित्तपोषण एवं पीड़ितों के पुनर्वास तक समूचे मादक पदार्थ नेटवर्क को ध्वस्त करने की समन्वित राष्ट्रव्यापी रणनीति अपनाई है।

शाह ने यहां मादक पदार्थ पर एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद प्रेसवार्ता में कहा, "नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि नशा-मुक्त युवा शक्ति 2047 में विकसित भारत का नेतृत्व करे।" इस बैठक में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, गृह मंत्रालय के अधिकारी एवं राज्य सरकार के सरकारी शामिल हुए। गृह मंत्री ने कहा, "2014 से पहले मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई अधिकतर छोटी इकाइयों द्वारा और अलग-थलग रहकर लड़ी जाती थीं। एजेंसियां अक्सर छोटे-मोटे आरोपियों को पकड़कर ही संतुष्ट हो जाती थीं। हमारी सरकार इस लड़ाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से

प्राथमिकता बना रही है।"

शाह ने कहा, "सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में खास तौर पर मादक पदार्थ कार्यबल (एएनटीएफ) बनाए गए और स्थानीय पुलिस को राष्ट्रीय रणनीति से जोड़ा गया है।" उन्होंने कहा कि 2019 में एक संयुक्त समन्वय समिति भी बनाई गई थी, ताकि केंद्रीय एजेंसियां और राज्य सरकार मिलकर बड़े मादक पदार्थ नेटवर्क, उनके अंतरराष्ट्रीय संपर्क आदि के खिलाफ संयुक्त निर्णय ले सकें। शाह ने कहा कि सरकार राजनीतिक इच्छाशक्ति, आपसी तालमेल के साथ कानून लागू करने और मादक पदार्थों की लत को रोकने एवं पीड़ितों के पुनर्वास के उपायों के जरिए 'नशा-मुक्त भारत 2029' का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में, आतंकवाद में कमी आने के बाद जम्मू-कश्मीर प्रगति और विकास की राह पर है तथा वहां आतंकवाद धीरे-धीरे खत्म होने के करीब है। शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से अलगाववाद की भावना कम हुई है। उन्होंने कहा, "मोदी सरकार ने आंतरिक सुरक्षा को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। जिन लोगों ने तिरुपति से पशुपति तक 'लाल' (माओवादी) गलियारा बनाने का सपना देखा था, उन्होंने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।

" पूर्वोत्तर का ज़िक्र करते हुए शाह ने कहा कि 2019 से अब तक 14 बड़े शांति समझौते हुए हैं और लगभग 11,000 हथियारबंद युवाओं ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा का रास्ता अपनाया है। शाह ने कहा कि पांच दशकों तक चला नक्सलवाद अब अतीत की बात हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, "हमने नक्सलवाद को खत्म कर दिया है और मादक पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटेंगे।"

पीएम मोदी के 'नाराज फूफा' बयान पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली, 06 सितम्बर। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (SRCC) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नाराज फूफा' वाले बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष के लिए नए-नए विशेषण देना उनकी राजनीति का हिस्सा बन गया है। कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री ऐसे बयानों के जरिए सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रफ्ढउ के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी के भाषण को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि रफ्ढउ का कार्यक्रम देश के युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य पर चर्चा करने का मौका था, लेकिन प्रधानमंत्री का भाषण एक बार फिर राजनीतिक अभियान में बदल गया।

खरगे ने आरोप लगाया कि युवाओं के सवालों का जवाब देने के बजाय प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर

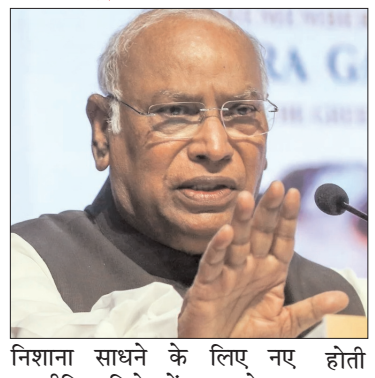

निशाना साधने के लिए नए राजनीतिक विशेषणों का इस्तेमाल किया।

मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री की कथित 'मोडस ऑपरेंडी' पर भी हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतंत्र में सवालों को दबाने और विपक्ष के लिए नए-नए नाम गढ़ने की राजनीति करती है। इस दौरान खरगे ने 'नाराज फूफा', 'दिमागी नक्सल', 'अर्बन नक्सल', 'खान मार्केट गैंग', 'आंदोलनजीवी' और 'परजीवी' जैसे शब्दों का जिक्र किया।

खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों और कथित जनविरोधी मुद्दों में बदलाव नहीं आया है, लेकिन विपक्ष के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द हर साल बदल जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के सामने बेरोजगारी, लंबे समय से अटकी सरकारी भर्तियां, पेपर लीक, महंगी होती शिक्षा, छात्रवृत्ति के घटते अवसर और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता जैसे कई सवाल हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के जरिए अपना 'रिपोर्ट कार्ड' दिखाया है, लेकिन देश के युवा भी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़े हैं। खरगे ने सवाल उठाया कि युवाओं के इन मुद्दों और सवालों पर सरकार की ओर से क्या जवाब दिया जा रहा है। इस बयान के बाद पीएम मोदी के रफ्ढउ भाषण को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच सियासी बयानबाजी और तेज होने के आसार हैं।

सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत भरभराकर गिरी, मलबे में दबकर दो लोगों की मौत

नई दिल्ली, 06 सितम्बर। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार अपराह्न छात्रों के 'पीजी' के तौर पर इस्तेमाल की जा रही पांच मंजिला इमारत ढह गई, जिससे दो व्यक्ति की मौत हो गई जबकि कई लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। हादसे पर अमित शाह ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता और पुलिस कमिश्नर से बात की, साथ राहत बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। आप को बता दें कि यह इलाका दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 'साउथ कैंपस' के प्रमुख हिस्से के पास स्थित है और यहां की संकरी एवं भीड़भाड़ वाली गलियों में कई छात्रावास तथा भोजनालय हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इमारत करीब 20 साल पुरानी थी और घटना के समय, अपराह्न करीब 1.30 बजे, बेसमेंट में निर्माण कार्य जारी था। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सूत्रों ने बताया कि अस्पताल में लाए गए चार घायलों में से दो की हालत अब भी गंभीर है, जबकि दो को मृत अवस्था में लाया गया था।

एक बचावकर्मी को भी अस्पताल लाया गया था, जिसे उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिसकर्मी, दमकल विभाग, 'कैट' एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाएं मौके पर मौजूद हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है और बचाव एवं राहत अभियान जारी है। पुलिस ने एक बयान में बताया कि अपराह्न 1.34 बजे साउथ कैंपस थाने में नानकपुरा गुरुद्वारे के पास एक इमारत ढहने के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना मिली। बयान में कहा गया, "मलबे में फंसे या घायल लोगों की सटीक संख्या फिलहाल ज्ञात नहीं है। अब तक कुछ लोगों को मलबे से निकाला गया गया है। पुष्टि होने पर आगे की जानकारी साझा की जाएगी। पुलिस ने बताया कि उन्होंने इमारत के मालिक की पहचान कर ली है और उसे पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, ढही हुई इमारत को 'हॉस्टल डेज' के नाम से जाना जाता था। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने अनुमान जताया कि 20 से अधिक लोग मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं, हालांकि इस संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, एक स्थानीय निवासी ने कहा, "हॉस्टल हमेशा भरा रहता था। इसलिए मलबे में अब भी कई लोग फंसे हो सकते हैं। गलियां काफी संकरी और भीड़भाड़ वाली हैं, इसलिए बचाव वाहनों के लिए घटनास्थल पर जल्दी पहुंचना मुश्किल था।

दलीप ट्रॉफी फाइनलः पहला दिन ईस्ट जोन के बल्लेबाजों के नाम, ईशान का शतक

चेन्नई, 06 सितम्बर। कप्तान ईशान किशन के शतक की मदद से ईस्ट जोन ने साउथ जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में ईस्ट जोन ने दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में चार विकेट पर 385 रन बनाए। स्टंप्स के समय ईशान 135 गेंदों पर 14 चौकों और एक छक्के की मदद से 111 रन और कुमार कुशाग्र 75 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 63 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। अभिमन्यु ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी ने अच्छी शुरूआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 100 रन जोड़े थे। इस साझेदारी को चामा मिलिंद ने तोड़ा। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी को पवेलियन भेजा। वैभव ने 37 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। वहीं, ईश्वरन ने अर्धशतक लगाया और वह 86 गेंद में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 72 रन बनाकर रन आउट हुए।

सुदीप कुमार कुछ खास नहीं कर सके और छह रन बनाकर त्रिपुराणा विजय का शिकार बने। शिखर मोहन ने फिर कप्तान ईशान के साथ 94 रन की साझेदारी निभाई। शिखर 120 गेंद में नौ चौके और तीन छक्के की मदद से 85 रन बनाकर मिलिंद की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद ईशान और कुशाग्र ने शानदार बल्लेबाजी की और कोई विकेट नहीं गिरने दिया। दोनों के बीच अब तक पांचवें विकेट के लिए 144 रन की साझेदारी हो चुकी है। ईशान ने शतक लगाया, जबकि कुशाग्र अर्धशतक लगाकर नाबाद हैं। ईस्ट जोन की नजर अब दूसरे दिन बड़े स्कोर पर होगी।

ईस्ट जोन के बल्लेबाजों ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया। टीम के लिए ईशान ने जहां शतक लगाया तो वहीं तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए। अभिमन्यु, शिखर मोहन और कुशाग्र अर्धशतक लगाने में सफल रहे। वहीं, वैभव सूर्यवंशी भी अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन अर्धशतक लगाने से चूक गए। साउथ जोन की ओर से चामा मिलिंग ने दो विकेट लिए, जबकि त्रिपुराणा विजय को एक सफलता मिली।

दलीप ट्रॉफी 2026-27 के फाइनल में ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच मुकाबले के दौरान मैदान पर उस समय तनाव देखने को मिला, जब युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा आमने-सामने आ गए। दोनों के बीच शुरूआत में बातचीत और मजाकिया अंदाज में स्लेजिंग चल रही थी, लेकिन देखते ही देखते यह तीखी बहस में बदल गई।

यह घटना ईस्ट जोन की पहली पारी के 11वें ओवर में हुई। तिलक वर्मा लगातार वैभव सूर्यवंशी से बातचीत कर रहे थे और उन्हें उप-कप्तानी को लेकर स्लेज कर रहे थे। इसी दौरान तिलक ने वैभव से कहा, 'क्या यार, ये वाइस-कैप्टन।'

इसके कुछ ही देर बाद माहौल गर्म हो गया। तिलक वर्मा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की ओर बढ़े और हल्का सा शारीरिक इशारा किया, जैसे वह पंच यानी मुक्का मारने की बात कर रहे हों। वैभव भी पीछे नहीं हटे और उन्होंने तुरंत उनका सामना किया। दोनों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए अंपायर ने हस्तक्षेप किया और दोनों खिलाड़ियों को अलग किया।

तेज रफ्तार बस ने बाइक को मारी टक्कर, 3 युवकों की दर्दनाक मौत

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में एक तेज रफ्तार बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा शनिवार देर शाम जिले के बाईपास थानाक्षेत्र में कजरैली रोड के पास हुआ। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अंशु कुमार (18), सावन कुमार (17) और आशुतोष कुमार (18) के तौर पर हुई है। बाईपास थाने के प्रभारी विकास कुमार ने कहा, "तीनों लड़के नई मोटरसाइकिल पर यूं ही घूमने निकले थे, तभी भागलपुर से बांका जा रही एक बस की उस दोपहिया वाहन से आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में तीनों की मौत हो गई।"

उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव संबंधित युवकों के परिवार को सौंप दिए गए। थाना प्रभारी ने कहा, "पुलिस ने मोटरसाइकिल और बस को जब्त कर लिया है, लेकिन बस चालक भागने में कामयाब रहा।

सागर में जहरीली शराब से 11 मौतों का ललितपुर कनेक्शन, बोतल के रैपर-QR सब नकली, 5 दुकानें सील

सागर (मध्यप्रदेश), 06 सितम्बर। सागर जिले की बंडा तहसील में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात जहरीली शराब पीने से अब तक 11 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य की हालत गंभीर है। मामले की शुरूआती जांच में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से शराब की तस्करी की बात सामने आई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सागर की जिलाधिकारी प्रतिभा पाल ने बंडा में संवाददाताओं से कहा, आज तड़के चार बजे यह मामला संज्ञान में आया। इसमें अब तक 10 लोगों की मौत हुई है। शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। हमारा विशेष ध्यान इस बात पर है कि यदि अन्य लोग भी इसकी चपेट में आए हैं, तो उनकी जांच कराकर उनका उपचार किया जाए। मुख्यमंत्री

मोहन यादव ने मामले की जांच का आदेश देते हुए कहा कि सरकार इसमें सख्त कार्रवाई करेगी। वहीं, कांग्रेस ने पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच की मांग की है। जिलाधिकारी पाल ने यह भी कहा कि मामले की शुरूआती जांच में संकेत मिले हैं कि उत्तर प्रदेश के ललितपुर से जहरीली शराब यहां लाई गई।

उन्होंने कहा, ललितपुर का एक गिरोह इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त है। चूंकि यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश से सटा हुआ है, इसलिए शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है। मामले की जांच की जा रही है। सागर के पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने संवाददाताओं से कहा कि जानकारी सामने आते ही जांच शुरू कर दी गई और अब तक जितने भी संदिग्धों के नाम सामने आए हैं, उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

उन्होंने कहा, अभी तक जांच में सामने आया है कि जहरीली शराब का स्रोत उत्तर प्रदेश का ललितपुर हो सकता है। पहले भी इस प्रकार के मामलों में ललितपुर के गिरोहों की संलिप्तता सामने आई है। इसी दिशा में हम जांच कर रहे हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

-ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है।

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी श्रृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा।

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए, तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार का यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालिन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं।

पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए, संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएं और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपरक भी हो और चरित्रनिर्माणकारी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि विभिन्न राज्य और सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर इसके प्रभावी प्रयोग प्रस्तुत करें। पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के एक हजार नए विद्यालयों का लक्ष्य इसी संदर्भ में एक प्रयोगशाला बन सकता है। शुभेंदु अधिकारी की घोषणा इसलिए बधाई के योग्य है कि इसने शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से आगे बढ़ाकर सामाजिक सहभागिता और भारतीय शिक्षा-दृष्टि के विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब असली परीक्षा घोषणा की नहीं, उसके क्रियान्वयन की है। यदि एक वर्ष में विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षक की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता, आधुनिक विज्ञान, तकनीकी दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता, संवैधानिक चेतना और सामाजिक समरसता को समान महत्व दिया गया, तो बंगाल का यह प्रयोग केवल बंगाल का नहीं रहेगा। यह भारत को यह संदेश दे सकता है कि शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए केवल नई इमारतें नहीं, नई दृष्टि और समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। और शायद यही आज के भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आवश्यकता है-ह्ज्ञान आधुनिक हो, दृष्टि वैज्ञानिक हो, चरित्र भारतीय हो और शिक्षा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र एवं मानवता का कल्याण हो।

समंदर की उफनती लहरें और कंक्रीट का ढहता गुरूरः मुंबई, कोलकाता और ढाका की त्राहि-त्राहि

अशोक भाटिया

संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट ने एक बार फिर उस कड़वी और भयावह हकीकत को हमारे सामने ला खड़ा किया है, जिससे हम लगातार अपनी आँखें मूँदने की कोशिश करते रहे हैं। मुंबई, कोलकाता और ढाका जैसे दक्षिण एशिया के सबसे जीवंत, आर्थिक रूप से समृद्ध और घनी आबादी वाले महानगरों के समुद्र में समा जाने की चेतावनी अब किसी हॉलीवुड विज्ञान-कथा (साइंस-फिक्शन) का हिस्सा नहीं रह गई है, बल्कि यह हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही एक ऐसी आसन्न त्रासदी है जिसकी पटकथा हमने खुद लिखी है। सोशल मीडिया और सनसनीखेज खबरों के इस दौर में भले ही इन शहरों के रातों-रात पानी में डूब जाने की अफवाहें उड़ाई जा रही हों, लेकिन इस अतिशयोक्ति के पीछे छिपा वास्तविक सच किसी महाविनाश से कम नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के अनुसार, दक्षिण एशिया के इन निचले डेल्टा क्षेत्रों में रहने वाले लगभग डेढ़ करोड़ लोग आने वाले दशकों में हमेशा के लिए बेघर हो सकते हैं। यह केवल कुछ शहरों के भूगोल के बदलने का संकट नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता, अर्थव्यवस्था और हमारी संप्रभुता के अस्तित्व पर एक ऐसा प्रहार है, जिसकी भरपाई आने वाली कई सदियाँ भी नहीं कर पाएँगी।

इस संकट की जड़ें केवल समुद्र के बढ़ते जलस्तर में नहीं हैं, बल्कि आधुनिक विकास के उस अंधे मॉडल में हैं जिसने प्रकृति को हमेशा अपनी दासी समझा है। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई का उदाहरण हमारे सामने है। सात टापुओं को आपस में जोड़कर और समंदर को पाटकर खड़ी की गई यह अट्टालिकाएँ आज अपने ही बोझ से दबी जा रही हैं। कंक्रीट के इस जंगल ने जमीन के भीतर की उन नसों को सुखा दिया है जो पानी को सोखती थीं। भूजल के अंधाधुंध दोहन के कारण मुंबई की जमीन हर साल कुछ मिलीमीटर नीचे धंस रही है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में 'लैंड सबसिडेंस' कहा जाता है। एक तरफ ऊपर से बढ़ता समंदर और दूसरी तरफ नीचे धंसती जमीन–मुंबई आज प्रकृति के दोहरे शिकंजे में है। हर साल मानसून में मुंबई की सड़कों पर दिखने वाला समंदर दरअसल प्रकृति का वह उग्र रूप है जो हमें याद दिलाता है कि जिसे हम विकास कह रहे हैं, वह दरअसल विनाश का एक धीमा जहर है।

दूसरी ओर, कोलकाता और ढाका की स्थिति और भी अधिक संवेदनशील और भौगोलिक रूप से चिंताजनक है। ये दोनों ही महानगर दुनिया के सबसे बड़े गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना डेल्टा के मुहाने पर बसे हैं। समुद्र तल से नाममात्र की ऊंचाई पर स्थित होने के कारण, बंगाल की खाड़ी में होने वाली मामूली हलचल भी इन शहरों के अंतःकरण को हिलाकर रख देती है। जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवातों की आवृत्ति और उनकी तीव्रता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। अम्फान, यास और रेमल जैसे चक्रवातों ने हाल के वर्षों में जो तबाही मचाई है, वह केवल एक झांकी थी। समुद्र का खारा पानी अब केवल तटीय इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह नदियों के रास्ते इन महानगरों के मीठे पानी के स्रोतों और कृषि योग्य भूमि को नष्ट कर रहा है। ढाका, जो कभी अपनी मलमल और नदियों के लिए जाना जाता था, आज दुनिया के सबसे प्रदूषित और जलवायु रूप से संवेदनशील शहरों में से एक बन

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

चुका है। बांग्लादेश के ग्रामीण इलाकों से हर साल लाखों लोग जलवायु शरणार्थी (क्लाइमेट रिफ्यूजी) बनकर ढाका की झुग्गियों में पनाह ले रहे हैं, जिससे इस शहर का ढांचा पूरी तरह चरमरा गया है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक समुद्र का जलस्तर अब तक की सबसे तेज गति से बढ़ रहा है। ग्लेशियरों का पिघलना और गर्म होते महासागरों के पानी का फैलाव कोई ऐसी प्रक्रिया नहीं है जिसे हम रातों-रात रोक सकें। इस संकट का सबसे क्रूर पहलू यह है कि जिन देशों और आम नागरिकों ने वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम योगदान दिया है, वे ही इस त्रासदी की पहली कतार में खड़े हैं। मुंबई की झोपड़पट्टियों में रहने वाला मजदूर, सुंदरवन के द्वीपों पर खेती करने वाला किसान या ढाका की फैक्ट्रियों में काम करने वाला आम नागरिक–ये वे लोग हैं जिनके पास इस आपदा से बचने के लिए कोई एयर-कंडीशनर कमरा या किसी ऊंचे पहाड़ पर बना दूसरा घर नहीं है। जब समंदर का पानी बस्तियों में घुसेगा, तो यह अमीर और गरीब की खाई को पाटते हुए सबको अपनी चपेट में लेगा, लेकिन सबसे पहले और सबसे बुरी तरह वही कुचला जाएगा जो आर्थिक रूप से कमजोर है।

संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट को केवल एक चेतावनी मानकर फाइलों में बंद कर देना सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल होगी। यह समय वैश्विक नेताओं के लिए खोखले वादों और जलवायु सम्मेलनों में लंबी-चौड़ी घोषणाएँ करने का नहीं, बल्कि जमीन पर सख्त और ठोस कार्रवाई करने का है। हमें यह समझना होगा कि पारंपरिक इंजीनियरिंग के तरीके, जैसे कि केवल तटीय दीवारें खड़ी कर देना या ड्रेनेज सिस्टम को थोड़ा साफ कर देना, अब इस महासंकट का समाधान नहीं कर सकते। हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की कला को दोबारा सीखना होगा। तटीय क्षेत्रों में मैंग्रोव (सदाबहार वन) की रक्षा करना हमारा सबसे पहला रक्षा कवच होना चाहिए। मैंग्रोव के जंगल केवल पेड़ नहीं हैं, बल्कि वे समंदर की उग्र लहरों की गति को थामने वाले प्रकृति के अपने सैनिक हैं। दुर्भाग्य से, शहरीकरण और रिसॉर्ट्स बनाने के नाम पर हमने इन प्राकृतिक दीवारों को खुद ही ढहा दिया है।

इसके साथ ही, शहरी नियोजन (टाउन प्लानिंग) के सिद्धांतों में एक क्रांतिकारी बदलाव की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि 'स्पंज सिटी'(Sponge City) जैसी अवधारणाओं को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए, जहाँ कंक्रीट की जगह ऐसी सतहें बनाई जाती हैं जो बारिश के पानी को सोख सकें और उसे वापस जमीन के भीतर भेज सकें। मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में झीलों, तालाबों और आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) को पुनर्जीवित करना होगा, जिन्हें भू-माफियाओं ने लालच की वेदी पर चढ़ा दिया है। यह आर्द्रभूमियाँ शहरों के 'फेफड़े और गुर्दे' की तरह काम करती हैं, जो न सिर्फ बाढ़ के पानी को रोकती हैं बल्कि पर्यावरण का संतुलन भी बनाए रखती हैं।

इस वैश्विक संकट का एक और अत्यंत संवेदनशील पहलू है, जिसका जिक्र करने से अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंच कतराते रहे हैं–और वह है 'जलवायु शरणार्थियों' का पुनर्वास। यदि संयुक्त राष्ट्र की भविष्यवाणी सच होती है और डेढ़ करोड़ लोग विस्थापित होते हैं, तो दक्षिण एशिया में एक अभूतपूर्व मानवीय संकट पैदा हो जाएगा। यह संकट केवल सीमाओं के भीतर का नहीं रहेगा, बल्कि यह दो देशों के बीच के राजनीतिक और सामाजिक संबंधों को भी तनावपूर्ण बना देगा। भारत और बांग्लादेश के बीच पहले से ही प्रवास एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है। ऐसे में यदि ढाका या सुंदरवन का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न होता है, तो आबादी का जो पलायन होगा, उसे संभाल पाना किसी भी सरकार के लिए अकेले संभव नहीं होगा। इसलिए, इस मुद्दे पर एक क्षेत्रीय और वैश्विक पुनर्वास नीति का होना अनिवार्य है, जिसमें विकसित देशों को आर्थिक और नैतिक जिम्मेदारी उठानी होगी, क्योंकि वैश्विक पर्यावरण को बिगाड़ने में सबसे बड़ा हाथ उन्हीं का रहा है।

अंततः, मुंबई, कोलकाता और ढाका के पानी में डूबने के समाचार केवल वैज्ञानिक डेटा या डराने वाली सुर्खियाँ नहीं हैं। ये हमारी सोई हुई सामूहिक चेतना को जगाने के लिए प्रकृति का अंतिम अल्टीमेटम हैं। समंदर का बढ़ता जलस्तर दरअसल हमारी आधुनिक जीवनशैली, हमारे बेलगाम लालच और हमारी राजनीतिक उदासीनता का बढ़ता हुआ पैमाना है। यदि हम आज भी नहीं संभले, तो इतिहास हमें एक ऐसी कायर सभ्यता के रूप में याद रखेगा जिसने अपनी आने वाली पीढ़ियों को डूबने के लिए एक जलती हुई धरती और एक उफनता हुआ समंदर सौंप दिया। यह समय राजनीतिक नफा-नुकसान से ऊपर उठकर, राष्ट्रीय सीमाओं के बंधनों को तोड़कर, अपनी धरती और अपने अस्तित्व को बचाने के लिए एक महा-अभियान शुरू करने का है। समंदर की लहरें किसी की संप्रभुता या पहचान नहीं देखतीं, वे सिर्फ अपने रास्ते में आने वाली हर उस चीज को निगल जाती हैं जिसने प्रकृति के नियमों का अनादर किया हो। फैसला हमारा है कि हम डूबते जहाजों के मूक दर्शक बने रहना चाहते हैं या अपनी आने वाली नस्लों के लिए एक सुरक्षित किनारा तैयार करना चाहते हैं।

एक राजस्थान, दो पार्टी, तीन नेता और पंजाब में सत्ता की जंग

-राकेश दुबे

राजस्थान के पंजाब में दखल का दिलचस्प संयोग बना है। गुलाबचंद कटारिया पंजाब के राज्यपाल हैं, डॉ. सतीश पूनिया वहां बीजेपी के प्रभारी और सचिन पायलट पंजाब में कांग्रेस के प्रभारी। यानी पंजाब के संवैधानिक शीर्ष पद से लेकर राजनीतिक शीर्ष दलों, बीजेपी और कांग्रेस के चुनावी संगठन तक राजस्थान के तीन राजनीतिक चेहरों की अहम मौजूदगी। विधानसभा चुनाव से पहले राजस्थान के इन तीनों नेताओं की भूमिका एक साथ चर्चा में हैं। तीनों ने राजनीति को सिर्फ सत्ता के गलियारों से नहीं, सत्ता संघर्ष के अनुभवों से जाना है। तीनों 2018 में एक साथ राजस्थान विधानसभा के सदस्य भी रहे। अब वही अनुभव पंजाब की जमीन पर अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल होना है।

राजभवन में बैठे राजस्थान के भाई साहब

पंजाब में गुलाबचंद कटारिया की भूमिका, डॉ पूनिया और पायलट से बिल्कुल अलग है। राज्यपाल सीधे राजनीतिक मुकाबले का हिस्सा नहीं होते। लेकिन पंजाब जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में सत्ता साधने और कमजोर बहुमत के वक्त राज्यपाल की भूमिका केवल औपचारिक नहीं रहती। सरकार और राजभवन के बीच संवैधानिक समन्वय, चुनाव से जुड़े संवैधानिक दायित्व और सरकार के गठन जैसी परिस्थितियों में राज्यपाल का पद सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। राजस्थान के पूर्व गृह मंत्री, विधानसभा में विपक्ष के नेता और प्रदेश में पार्टी के अध्यक्ष सहित बीजेपी के संगठनात्मक चेहरे रहे कटारिया ने सत्ता और विपक्ष दोनों को बहुत करीब से देखा है। असम के राज्यपाल रहने के बाद जुलाई 2024 में उन्होंने पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक का पद संभाला। पंजाब में उनकी मौजूदगी इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वे बीजेपी के रणनीतिकार एवं केंद्रीय अमित शाह के खास आदमी माने जाते हैं तथा चुनावी राजनीति से बाहर होकर भी राज्य की राजनीतिक व संवैधानिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण संस्थान के नेतृत्वकर्ता हैं।

पूनिया और पायलटः दोनों की मुश्किल अलग

राजनीति का असली मैदान डॉ. पूनिया और पायलट के सामने है। दोनों अपनी-अपनी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे और दोनों जिताने - हराने की रणनीति के खिलाड़ी हैं। वरिष्ठ पत्रकार अरविंद चोटिया के मुताबिक पायलट उप मुख्यमंत्री रहे, उसी दौर में पूनिया उप नेता प्रतिपक्ष रहे। राजनीतिक वर्यवेक्षक त्रिभुवन के मुताबिक दिलचस्प यह भी है कि पायलट और पूनिया दोनों अपने-अपने राजनीतिक संसार में एसपी के नाम से जाने जाते हैं। त्रिभुवन कहते हैं कि यह केवल दो नियुक्तियों की कहानी नहीं है। यह दो दलों की दो बिल्कुल अलग बीमारियों के इलाज के लिए भेजे गए दो चिकित्सकों की कहानी है। वे कहते हैं कि कांग्रेस के पास पंजाब में घर है, लेकिन चाबी के दावेदार बहुत हैं। बीजेपी के पास घर का नक्शा है, लेकिन नींव नहीं पड़ी। एक को घर बचाना है, दूसरे को घर बनाना है। राजनीतिक

विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि सचिन पायलट कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी, हाईकमान की अनिर्णयशीलता और प्रदेश नेतृत्व की कमजोरियों से खुद भी संघर्ष कर चुके हैं। इसलिए पायलट जानते हैं कि पार्टी के भीतर असंतोष से पैदा हुई समानांतर पार्टियों से कैसे निबटा जाता है।

पूनिया को पंजाब में पार्टी का पराक्रम दिखाना है

सिख पगड़ी धारण करके चुनावी समर में उतर चुके राज्यसभा सांसद डॉ सतीश पूनिया के लिए पंजाब बीजेपी की जिम्मेदारी एक बड़े संगठनात्मक परीक्षण की तरह है। अगस्त 2026 में उन्हें पंजाब बीजेपी का प्रभारी बनाया गया। हरियाणा में पार्टी के प्रभारी के तौर पर 2024 में बीजेपी की लगातार तीसरी जीत में उनकी भूमिका को पार्टी ने भी सराहा। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि हरियाणा के मुकाबले पंजाब में पूनिया के सामने चुनौती बड़ी है। भले ही डॉ पूनिया ने कह दिया है कि बीजेपी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। लेकिन फिलहाल 117 में से बीजेपी के केवल 2 विधायक ही हैं। परिहार कहते हैं कि बीते लोकसभा चुनाव में बीजेपी एक भी सांसद नहीं चुना गया, लेकिन वोट शेयर 19 प्रतिशत तक पहुंच गया। मतलब पंजाब का हर 5वां वोटर बीजेपी के साथ है। परिहार के मुताबिक पूनिया की असली परीक्षा इसी वोट को संगठन, स्वीकार्यता और विधानसभा सीटों में बदलने की है।

पायलट के सामने संगठन सहेजने की चुनौती

पायलट की चुनौती अलग है। कांग्रेस ने उन्हें उस पंजाब का प्रभारी बनाया है, जहां पार्टी के पास राजनीतिक आधार तो है, लेकिन संगठनात्मक एकजुटता बड़ी चुनौती है। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि पायलट का संसदीय अनुभव अधिक है और चुनावी राजनीति में उनकी राष्ट्रीय पहचान भी बड़ी है। राजस्थान में प्रदेश अध्यक्ष के नाते उनको अपनी पार्टी को सत्ता करीब ले जाने जितना बहुमत लाने का भी अनुभव रहा है। लेकिन वरिष्ठ पत्रकार अरविंद चोटिया कहते हैं कि पंजाब में सचिन पायलट के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी मेंढ़कों को तौलना। चोटिया कहते हैं कि यह काम बहुत मुश्किल है, शायद बहुत ज्यादा मुश्किल है। क्योंकि पायलट के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वे पंजाब में कांग्रेस के बिखरे हुए संगठन, नेताओं की आपसी खींचातान और खेमेबाजी के खत्म करके संगठन को चुनावी मशीन में बदल पाएंगे?

दोनों की मंजिल एक, रास्ते बिल्कुल अलग

यहीं पंजाब की आगामी राजनीति दिलचस्प हो जाती है। डॉ पूनिया को पंजाब में एक ऐसी बीजेपी को विस्तार देना है जो वहां अभी सत्ता की स्वाभाविक दावेदार नहीं है, जबकि पायलट को ऐसी कांग्रेस को एकजुट करना है जिसके पास इतिहास और जनाधार तो है, लेकिन संगठनात्मक अंतर्विरोध भी कम नहीं हैं। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार कहते हैं कि इस लिहाज से अगला पंजाब विधानसभा चुनाव दोनों नेताओं के लिए केवल एक और चुनाव नहीं होगा, यह उनकी राजनीतिक रणनीति, संगठन क्षमता और नेतृत्व की प्रतिष्ठा का इम्तिहान भी होगा। वरिष्ठ राजनीतिक पत्रकार विजय विद्रोही कहते हैं कि बीजेपी पंजाब में अपना आधार विस्तार करना चाहती है और कांग्रेस अपने पुराने जनाधार को फिर से राजनीतिक ताकत में बदलना चाहती है। विद्रोही कहते हैं कि पायलट और डॉ पूनिया, दोनों के सामने फिलहाल आम आदमी पार्टी की सत्ता की ताकत तको तोड़ने और अपनी अपनी पार्टियों की राजनीतिक जमीन के पुनर्गठन का भी है।

पंजाब पर राजस्थान का सियासी पहरा

पंजाब की राजनीति में कटारिया, पूनिया और पायलट की यह मौजूदगी अपने आप में असाधारण राजनीतिक तस्वीर है। कटारिया के सामने राजभवन की रवायतों की गरिमा में रहने की मयार्दा है, पूनिया के सामने बीजेपी को विस्तार देने की चुनौती और पायलट के सामने कांग्रेस को चुनावी ताकत बनाने की कसौटी। तीनों का अनुभव, संगठन की राजनीतिक धार और अपनी-अपनी भूमिका है, लेकिन तीनों अलग अलग हैं। सवाल अब सिर्फ इतना है कि पंजाब की जनता पायलट और पूनिया में से किसकी मेहनत को स्वीकार करती है। और सवाल यह भी है कि अंत में अगर विधानसभा में बहुमत का मामला संवैधानिक संकट में उलझ गया, तो राज्यपाल के रूप में गुलाबचंद कटारिया पंजाब में किस दल को दल-दल से निकालकर सत्ता सौंपते हैं, यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा। लेकिन खास बात यही है कि कभी राजस्थान विधानसभा में साथ बैठने वाले तीनों नेता आज तीन अलग-अलग भूमिकाओं में पंजाब की सियासत के अहम किरदार हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, एवं जनसत्ता में दो दशक वरिष्ठ पदों पर रहे हैं)

अंतर्विरोधों से घिरा 'वचन भागवत'

-तनवीर जाफरी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सरसंघचालक मोहन भागवत ने पिछले दिनों अमेरिका,कनाडा व ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा की। इस त्रिदेशीय यात्रा में जहाँ एक तरफ बड़ी संख्या में स्थानीय हिंदू और प्रवासी भारतीय संगठनों द्वारा उनका स्वागत किया गया वहीं दूसरी तरफ कई संगठनों द्वारा उनका कड़ा विरोध भी किया गया। विरोध करने वाले समूहों व प्रदर्शनकारी संगठनों का आरोप है कि आरएसएस एक अति-दक्षिणपंथी और बहुसंख्यकवादी विचारधारा को बढ़ावा देने वाला संगठन है, जो भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। कई सिविल सोसाइटी समूहों ने संघ के ढांचे को ₹तानाशाही और सैन्यवादी₹ करार देते हुए इसके वैश्विक प्रभाव पर चिंता जताई। मोहन भागवत का विरोध मुख्य रूप से मानवाधिकार संगठनों, प्रवासी भारतीय अल्पसंख्यक समुहों और कुछ विदेशी राजनेताओं द्वारा किया गया। 'हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स', 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल' साउथ एशिया सॉलिडेरिटी ग्रुप और कई अन्य मानवाधिकार संगठनों ने इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया। इसके अतिरिक्त न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी, अमेरिकी सांसद रशीदा तालेब व जिम मैकगवर्न, और ब्रिटिश लेबर पार्टी की सांसद नादिया व्हिटोम ने सार्वजनिक रूप से इस यात्रा का विरोध व आलोचना की। इस विरोध के बीच संघ समर्थकों का कहना है कि मोहन भागवत की यात्रा का उद्देश्य वैश्विक कल्याण, सामाजिक सद्भाव और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के संदेशों का प्रसार करना है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में बीबीसी द्वारा आयोजित 'फेथ लीडर्स कॉन्फ्रेंस' के दौरान यह कहा कि ₹जो हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को भारत से बाहर निकाल देना चाहिए, वह हिंदू नहीं रह सकता।₹उन्होंने कहा कि 'मुसलमानों को देश से बाहर करने की सोच रखना पूरी तरह से हिंदुत्व के खिलाफ है'। उन्होंने कहा कि' हिंदू होने का मतलब सभी धार्मिक रास्तों को एक ही लक्ष्य की ओर जाने वाला मानना और हर इंसान की गरिमा को स्वीकार करना है'। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम' और "One world-One Humanity" का नारा देते हुए कहा कि विविधता से हमारी साझा पहचान को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। परन्तु भारत में मोहन भागवत के इस बयान के बाद राजनीतिक बहस छिड़ गई है। जहाँ भाजपा ने इसे हिंदू धर्म की सहिष्णुता और वास्तविक संदेश के रूप में सराहा, वहीं कांग्रेस, और अन्य विपक्षी दलों ने सवाल उठाया कि आरएसएस प्रमुख ऐसा ही कड़ा संदेश भारत में अपने कार्यकताओं को क्यों नहीं देते। एक सवाल यह भी है कि आखिर भागवत को अमेरिका में जाकर यह बात कहनी ही क्यों पड़ी ?

दरअसल आलोचकों द्वारा भागवत के बयान को मूल रूप से दो सन्दर्भों में देखा जा रहा है। पहला संघ के मुस्लिम विरोधी वह सिद्धांत जो और किसी के द्वारा नहीं बल्कि स्वयं आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर (गुरुजी) द्वारा लिखित किताब 'बंच ऑफ थॉट्स' में मुसलमानों,ईसाईयों और कम्युनिस्टों को लेकर व्यक्त किये गए हैं। उन्होंने इस पुस्तक के एक विशेष अध्याय, जिसका शीर्षक ₹आंतरिक खतरे₹ है, में मुसलमानों को लेकर गोलवलकर ने लिखा कि भारत में रहने वाले कई मुसलमानों की निष्ठा भारत के बजाय उन मुस्लिम देशों के प्रति अधिक है जिन्हें वे पवित्र मानते हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के कई हिस्सों में मुस्लिम आबादी भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों में शामिल रहती है। उनका मानना था कि मुस्लिम समुदाय खुद को भारत की मुख्य सांस्कृतिक और राष्ट्रीय धारा से अलग रखता है, जो देश की अखंडता के लिए चुनौती है। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने भारत की संस्कृति और मंदिरों को नष्ट किया, और वह मानसिकता आज भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।₹ गोलवलकर के इन विचारों की वजह से ही 'बंच ऑफ थॉट्स' की हमेशा तीखी आलोचना होती रही है। सवाल यह है कि इन साहित्यों व संस्कारों के मध्य पला बढ़ा कोई भी स्वयं सेवक और गोलवलकर की विचारधारा का अनुसरण करने वाले लोग उनके इस साम्प्रदायिकतावादी नफरती विचारों से स्वयं को दूर कैसे कर सकते हैं ?

दूसरा यह कि आज प्रधानमंत्री से लेकर देश के अनेक भाजपाई मंत्रियों मुख्यमंत्रियों बड़े नेताओं व जिम्मेदार लोगों द्वारा देश की संसद से लेकर जनसभाओं तक में सरे आम अल्पसंख्यकों को अपमानित किया जा रहा हैं। उन्हें धमकाया जाता है,समुदाय विशेष के लोगों की मॉब लिंचिंग की जाती है,उनके घर मदरसे,चर्च ।मस्जिद आदि गिराए जाते हैं या उनमें तोड़ फोड़ की जाती है। कभी मौलवियों कभी पादरियों तो कभी नन्स पर हमले होते हैं। दुनिया भर के अखबारों में इस संबंध में खबरें व लेख प्रकाशित होते हैं। इससे निश्चित रूप से हमारे धर्मनिरपेक्ष देश की बदनामी होती है। सवाल यह है कि इस तरह के कृत्य में शामिल लोगों के लिये क्या आज तक संघ ने कोई सीधा कड़ा सन्देश दिया ? किसी को ऐसी गैर जिम्मेदाराना बातों के लिये भाजपा या संघ से बाहर निकाला गया ? प्रधानमंत्री स्वयं शमशान व कब्रिस्तान में अंतर का सन्देश देते हैं। लोकसभा में एक भाजपाई सांसद एक मुस्लिम सांसद को धर्म सूचक गलियां देता है। विश्व हिन्दू परिषद की फायरब्रांड नेता साध्वी प्राची यह कहती हैं कि ₹जिस दिन भारत में मस्जिदें और मदरसे बंद हो जाएंगे, उस दिन लव जिहाद खत्म हो जाएगा और पूरी दुनिया में शांति आ जाएगी।₹ उन्होंने हिंदुओं से अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान करते हुए नारा दिया, ₹हिंदू घटेंगे तो कटेंगे₹, जिसमें उन्होंने मुस्लिम आबादी के बढ़ने को हिंदुओं के अस्तित्व के लिए खतरा बताया। संघ,परिषद,भाजपा व बजरंग दल के पदाधिकारी अक्सर रैलियों, 'शौर्य यात्राओं' और गो-रक्षण प्रदर्शनों के दौरान सीधे तौर पर मुसलमानों को चेतावनी देते हैं। 'शौर्य सभाओं' के दौरान बजरंग दल के वक्ताओं ने कथित तौर पर खुले मंचों से चेतावनी दी कि ₹यदि हमारी बेटियों या गायों को नुक़्सान पहुंचाया गया, तो 2002 के गुजरात जैसा जवाब दिया जाएगा। समय-समय पर धार्मिक जुलूसों और विरोध प्रदर्शनों में बजरंग दल के कार्यकताओं द्वारा मुस्लिम समुदाय और 'इस्लामिक जिहाद' के खिलाफ अत्यधिक भड़काऊ और हिंसक नारेबाजी की जाती है। भारत हेट लैब और सिटिजेंस फॉर जस्टिस एंड पीस जैसी संस्थाओं की रिपोर्टों के अनुसार, देश में होने वाली मुस्लिम विरोधी हेट स्पीच की घटनाओं में एक बड़ा हिस्सा संघ,विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल से जुड़े संगठनों या नेताओं का होता है। इन बयानों के कारण सुप्रीम कोर्ट को भी कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा है और नफरत भरे भाषणों को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी करने पड़े हैं। कई मामलों में इन नेताओं के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकियां भी दर्ज की गई हैं। ऐसे हजारों उदाहरण हैं। तो क्या कभी संघ प्रमुख ने कभी ऐसे नेताओं को चेतावनी दी ? या उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई की ? दरअसल भारत में भागवत की खामोशी और विदेशों में 'वसुधैव कुटुम्बकम' का उद्घोष ही

इनफिनिक्स हॉट 70 प्रो भारत के पहले इंटरैक्टिव एक्टिव मैट्रिक्स क्यूब और डायनामिक शाइन डिजाइन के साथ लॉन्च हुआ

मुंबई। न्यू-एज स्मार्टफोन ब्रांड, इनफिनिक्स ने आज युवा भारत के लिए डिजाइन किए गए स्मार्टफोन में एक्सप्रेसिव डिजाइन, इंटरैक्टिव अनुभवों और रोजमर्रा की परफॉरमेंस को एक साथ लाते हुए, बिल्कुल नए इनफिनिक्स हॉट 70 प्रो को लॉन्च करने की घोषणा की। इनफिनिक्स की ₹फ्रेश. फन. यंग.₹ फिलॉसफी पर निर्मित, हॉट 70 प्रो नया डायनामिक शाइन डिजाइन पेश करता है, जो रंग और टेक्सचर को स्मार्टफोन के अनुभव का एक आकर्षक हिस्सा बना देता है। हॉट 70 प्रो एक विशिष्ट डिजाइन लैंग्वेज को एक्टिव मैट्रिक्स क्यूब, 50एमपी सोनी कैमरा सिस्टम, स्मूथ 144हर्ट्ज़ डिस्प्ले, आईपी68 प्रोटेक्शन, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7100 5जी प्रोसेसर और 45वॉट फास्टचार्ज सपोर्ट वाली 6000एमएएच बैटरी के साथ जोड़ता है। एक साथ मिलकर, इन फीचर्स को एंटरटेनमेंट, फोटोग्राफी, गेमिंग, कनेक्टिविटी और रोजमर्रा के उपयोग में एक शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। लॉन्च पर बात करते हुए, इनफिनिक्स इंडिया के सीएमओ, मिराज गुप्ता ने कहाः स्मार्टफोन लगातार और स्मार्ट होते जा रहे हैं। इनफिनिक्स में, हम मानते हैं कि उनमें और भी अधिक पर्सनैलिटी हो सकती है। हॉट 70 प्रो परफॉरमेंस और पर्सनैलिटी को एक साथ लाता है - ऐसी तकनीक जो रिएक्ट करती है, ट्रांसफॉर्म होती है और सबसे अलग दिखने से नहीं डरती। यह काफी हद तक हमारे यूजर्स जैसा ही है। 3-महीने, 6-महीने और 9-महीने के लिए नो कॉस्ट ईएमआई विकल्प भी उपलब्ध होंगे। हॉट 70 प्रो भारत भर में फ्लिपकार्ट और रिटेल स्टोर्स के माध्यम से खरीदने के लिए उपलब्ध होगा।

किआ ने वैश्विक पहचान वाली 'किआ सोरेंटो' भारत में लॉन्च की

मुंबई। किआ इंडिया ने वैश्विक पहचान वाली 'किआ सोरेंटो' को भारत में लॉन्च कर दिया है, और इसके साथ ब्रांड ने भारत के प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी सेगमेंट में कदम रखा है। शुरूआती कीमत डीजल के लिए 27.99 लाख रुपये और हाइब्रिड के लिए 29.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। किआ के सबसे कामयाब एसयूवी नामों में से एक भारतीय ग्राहकों तक लाने के साथ इस लॉन्च से भारत में किआ की पहली हाइब्रिड पेशकश भी आ रही है। साथ ही भारत में बनी सोरेंटो के साथ रियल-टाइम जेनरेटिव एआई वाला किआ एआई असिस्टेंट दुनिया में पहली बार आ रहा है, जिससे यह अपने सेगमेंट में यह क्षमता देने वाली पहली गाड़ी बन गई है। किआ के वैश्विक डिजाइन दर्शन के साथ अगली पीढ़ी की इन-कार तकनीक, एडवांस्ड सुरक्षा, प्रीमियम आराम और पावरट्रेन के ज्यादा विकल्प जोड़कर सोरेंटो को इस तरह बनाया गया है कि यह भारत में प्रीमियम एसयूवी ग्राहकों की बदलती उम्मीदों पर खरी उतरे। किआ सोरेंटो की आधिकारिक डिलीवरी 4 सितंबर 2026 से पूरे देश में शुरू हो गयी है। किआ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ श्री ग्वांगगू ली ने कहा, किआ सोरेंटो का आना किआ इंडिया के सफर का एक निर्णायक पड़ाव है, क्योंकि हम पहली बार प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी में उतर रहे हैं। और हम ऐसा किआ के सबसे कामयाब वैश्विक नामों में से एक के साथ कर रहे हैं, यानी भारतीय ग्राहकों को अब तक की सबसे उन्नत सोरेंटो मिल रही है। भारत में, भारत के लिए बनी यह गाड़ी ग्राहकों को इस सेगमेंट में एक दमदार नया विकल्प देती है। इसके साथ किआ इंडिया के लिए दो अहम शुरूआतें भी हो रही हैं, हमारी पहली हाइब्रिड पेशकश, और भारत में बनी सोरेंटो के साथ रियल-टाइम जेनरेटिव एआई वाले किआ एआई असिस्टेंट का दुनिया में पहली बार पदार्पण। सोरेंटो सिर्फ हमारे पोर्टफोलियो का विस्तार नहीं है। यह हमारी उस प्रतिबद्धता को दिखाती है कि हम दुनिया भर में परखे हुए उत्पाद और आगे के लिए तैयार तकनीक भारतीय ग्राहकों की बदलती आकांक्षाओं तक पहुंचाएं। हमें भरोसा है कि यह इस सेगमेंट में एक नया मानक तय करेगी और भारत में किआ के प्रीमियम सफर को और मजबूती देगी। किआ सोरेंटो 2 इंटीरियर थीम में मिलती है, जिनमें स्मोकी ब्लैक और ग्रे तथा प्रीमियम ब्लैक और ऑलिव ब्राउन थीम शामिल हैं। ऑलिव ब्राउन थीम सबसे ऊपर वाले ल्ळ ट्रिम में उपलब्ध है। डुअल पेन पैनोरमिक सनरूफ और 64 रंगों वाली एंबियंट मूड लाइटिंग केबिन में खुलेपन का एहसास और माहौल, दोनों बढ़ाती हैं। इसके डिजाइन में किआ का सिग्नेचर 'डिजिटल टाइगर फेस', क्रिस्टल क्यूब एलईडी हेडलैंप, स्टार मैप डीआरएल और १९-इंच के क्रिस्टल कट अलॉय व्हील्स शामिल हैं, जबकि केबिन में ३१.२४ सेमी (१२.३ इंच) का पैनोरमिक कर्व्ड डिस्प्ले, ६ और ७-सीटर विकल्प, डुअल पेन पैनोरमिक सनरूफ तथा ६४-रंगों वाली एंबियंट लाइटिंग मिलती है।

शिवाजी-अंबेडकर और फूले के साथ नहीं लग सकती पीएम मोदी की फोटो, पुणे कॉलेज में तस्वीर हटाने पर बोले राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने पुणे के एक कॉलेज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को हटाने में मामले में चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा पलटवार किया है। रविवार को ठाणे के श्री गडकरी रंगायतन में पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने अपने अंदाज में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ किसी और को एक कतार में नहीं रखा जा सकता। कार्यक्रम में राज ठाकरे ने पीएम मोदी पर हमला बोला। इसके अलावा उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तमाम ज्वलंत मुद्दों पर घेरा। दरअसल 31 अगस्त मनसे नेता अमित ठाकरे की मौजूदगी में पुणे के कॉलेज से पीएम मोदी की तस्वीर हटाई थी। इसके बाद इस घटना के बाद पुणे कॉलेज प्रशासन की शिकायत पर अमित ठाकरे समेत 20 अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

इस घटना के छह दिन बाद राज ठाकरे की बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि सरकारी दफ्तरों में प्रधानमंत्री की तस्वीर लगाई जानी चाहिए, लेकिन किसी दूसरी दीवार पर। छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ वाली कतार में नहीं। दरअसल इस मुद्दे पर बीजेपी भड़क गई थी। बीजेपी ने अमित ठाकरे पर बड़ा हमला बोला था। राजनीतिक घमासान के बाद कॉलेज प्रशासन ने पूरे सम्मान के साथ तस्वीर वहीं पर लगा दी थी। बीजेपी ने इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए इसे राजनीतिक अपरिपक्वता करार दिया और कहा कि प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नहीं बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरी तरफ अमित ठाकरे ने इस कार्रवाई पर गर्व जताते हुए कहा था कि अगर दूसरा अपराध भी छत्रपति शिवाजी महाराज के लिए दर्ज हुआ है, तो मुझे खुशी होगी।

राज ठाकरे ने कार्यक्रम में कहा कि मुझे अभी तक यह पता नहीं चला है कि पुणे में ऊख के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने क्या कहा। नागपुर में ऊख पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, तो पूरे महाराष्ट्र राज्य में ऐसा क्यों नहीं हो सकता बेरोजगारी, महंगाई, चरमराता शिक्षा तंत्र। ये देश के सामने आज कई ऐसे मुद्दे हैं। इनसे ध्यान भटकाने के लिए आपको धार्मिक उन्माद में उलझाया जा रहा है। राज ठाकरे ने एसआईआर पर भी हमला बोला। इसके बाद उन्होंने कहा कि मुझे सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि आने वाले गणेशोत्सव के दौरान दंगे भड़काए जा सकते हैं, ताकि आप उनमें उलझे रहें।

बोईसर शहर में गूंजा गोविंदा आला रे, आनंद व उत्साह के बीच फूटी लाखों की मटकियां

◆रिमझिम बारिश के बीच दहीहंडी उत्सव में गोविंदा टीमों ने दिखाया दमखम, विजेताओं पर हुई इनामों की बारिश

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शनिवार 5 सितंबर 2026 को बोईसर शहर में दहीहंडी उत्सव धूमधाम, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। रिमझिम बारिश के बीच शहर के विभिन्न हिस्सों में आयोजित दहीहंडी समारोहों में गोविंदा आला रे... के जयघोष से पूरा बोईसर गूंज उठा। राजनीतिक दलों तथा सामाजिक संगठनों की ओर से आयोजित भव्य कार्यक्रमों में गोविंदा पथकों ने मानव पिरामिड बनाकर ऊंचाई पर लटकी मटकियों को फोड़ने के लिए जोरदार प्रदर्शन किया। विजेता टीमों को लाखों रुपये के नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफियां प्रदान की गईं।

दहीहंडी उत्सव को लेकर सुबह से ही शहर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। शाम होते-होते विभिन्न आयोजन स्थलों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। डीजे की धुन, ढोल-ताशों की गूंज और गोविंदा आला रे के नारों के बीच गोविंदा पथकों ने एक के बाद एक मानव पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ने का प्रयास किया। कई स्थानों पर गोविंदा टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। बोईसर शहर में भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) के शिव सम्राट प्रतिष्ठान, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से दहीहंडी का आयोजन किया गया। वहीं शिवशक्ति सामाजिक संगठन की ओर से लगातार 23वें वर्ष दहीहंडी उत्सव का आयोजन किया गया। देर शाम तक चले इन आयोजनों में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रमों में विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। भाजपा की ओर से जिला महासचिव अशोक सुद वडे, अहमद खान, तुषार साबू, मुकलेश गिरी, जिला युवती आघाडी की सलोनी रू. संखे एवं रूपाली आ. संखे उपस्थित रहीं।शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से उप जिला प्रमुख निलम संखे, मुकेश पाटील एवं शहर प्रमुख अतुल देसाई ने कार्यक्रम में सहभागिता की। शिवसेना (उबाठा) की ओर से मनोज संखे (बॉब), जबकि मनसे की ओर से उप जिलाध्यक्ष विशाल जाधव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। शिवशक्ति सामाजिक संगठन की ओर से आयोजित दहीहंडी समारोह में संस्था प्रमुख संजय जे. पाटील, डिमेलो सर, मिलिंद वडे, गजानन देशमुख, प्रो. संजय घरत, महेंद्र भोने, श्याम संखे सहित अन्य अतिथियों ने विजेता गोविंदा टीमों का उत्साह बढ़ाया। सभी आयोजकों द्वारा विजेता टीमों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

रिमझिम बारिश के बावजूद गोविंदाओं का उत्साह कम नहीं हुआ। युवाओं के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों ने दहीहंडी उत्सव का आनंद लिया। देर रात तक चले समारोहों के दौरान बोईसर का वातावरण भक्तिमय एवं उत्सवमय बना रहा।उत्सव के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन की ओर से व्यापक बंदोबस्त किया गया था। आयोजन स्थलों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ एम्बुलेंस सेवा और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई गई थी। सुरक्षा व्यवस्था के बीच गोविंदा पथकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

राष्ट्रवादी कांग्रेस के पालघर जिला सचिव व जिला मीडिया प्रमुख पद पर नियुक्ति

पालघर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के पक्षप्रमुख अजित पवार के मार्गदर्शन तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार के निदेर्शानुसार और सांसद सुनील तटकरे, प्रदेशाध्यक्ष (महाराष्ट्र) की सूचना के अनुसार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पालघर जिला अध्यक्ष तथा पूर्व विधायक आनंद ठाकुर के मार्गदर्शन में संगठनात्मक नियुक्ति की गई है। पार्टी की ओर से पालघर जिला सचिव तथा जिला मीडिया प्रमुख पद पर नियुक्ति की गई है। इस नियुक्ति के बाद नवनियुक्त पदाधिकारी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा जताये गये विश्वास के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी और विश्वास सौंपा है, उसे पूरी निष्ठा से निभाया जायेगा। पार्टी के विचार, नीतियां और जनहित से जुड़े मुद्दों को आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया जायेगा। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी की मजबूती, विस्तार और जनहित के कार्यों के लिए पूरी क्षमता से सहयोग किया जायेगा।

हिंदी विद्या प्रचार समिति का 88वाँ स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी विद्या प्रचार समिति, घाटकोपर (पश्चिम), मुंबई का 88वाँ स्थापना दिवस समारोह शनिवार, 5 सितंबर 2026 को श्री वैजनाथ साबू सभागृह में हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजेन्द्र सिंह , अध्यक्ष, हिंदी विद्या प्रचार समिति ने की।समारोह में अतिथि के रूप में धर्मेश गिरी, नगरसेवक,घाटकोपर प व श्रीमती राखी जाधव नगरसेविका घाटकोपर पू उपस्थित रहे। समारोह में शिक्षा जगत से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं संस्था के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन मुख्याध्यापक, हिन्दी हाई स्कूल घाटकोपर, राजेन्द्र डी सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोगों का स्वागत किया गया। जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. राजेन्द्र सिंह , डॉ. उषा मुकुंदन, उमेश सिंह, डॉ. हिमांशु दावड़ा, राजेंद्र डी सिंह राजदीप वीरेंद्र सिंह, राजीव सिंह, आदित्य प्रकाश सेंगर, परिमल अरविंद सिंह, डॉ मधुरा कलमकर एवं श्रीमती संगीता मेहरोत्रा, धर्मेश गिरी, श्रीमती राखी जाधव शामिल रहे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। धर्मेश गिरी व श्रीमती राखी जाधव ने संबोधन में हिंदी विद्या प्रचार सभा द्वारा संचालित अनेकों शिक्षण संस्थानों के योगदान की सराहना की। डॉ. राजेन्द्र सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में हिंदी विद्या प्रचार समिति की दीर्घकालीन शैक्षणिक एवं सामाजिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए संस्था द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

समारोह का विशेष आकर्षण हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित, हिंदी हाई स्कूल, हिंदी प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग, श्री इंद्रदेव सिंह हिंदी हाई स्कूल अंग्रेजी माध्यम, प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग, श्री इंद्रदेव सिंह इंटरनेशनल स्कूल (सी.बी. एस. सी.), राम निरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय, एच. वी. पी. एस. लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। इनमें गणेश वंदना, आरोहण, भारूड, वराहस्वरूपम्, अटल भक्ति-अजय शक्ति, 'Say NO to Drugs', नाटिका–युग बदला, सवाल वही, न्याय कहाँ?, वारकरी वारी नृत्य तथा क्या से क्या हो गया जैसी प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। श्रीमती शामल खानविलकर द्वारा उपस्थित सभी सम्मानियों का आभार व्यक्त किया गया।कार्यक्रम के दौरान संस्था के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के योगदान की भी सराहना की गई। समारोह के अंत में आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चेंबूर पांजरापोल दही हंड़ी उत्सव में डॉ रामदास आठवले को संजय डोलसे ने सम्मानित किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आरपीआई (आठवले)के दक्षिण मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष संजय डोलसे के संयोजन में विगत वर्षों की तरह इस साल भी पांजरा पोल शिवाजी चौक पर श्रीकृष्णजन्माष्टमी पर दही हंडी उत्सव का भव्य पैमाने पर आयोजन किया गया. इस मौके पर कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारीता राज्यमंत्री तथा आरपीआई(आठवले)के राष्ट्रीय अध्यक्ष ड़ॉ रामदास आठवले ने गोविंदा पथक और सभी श्रीकृष्ण भक्तों को कृष्णजन्माष्टमी की हार्दिक बधाई और शुभकामानाएं दी और कार्यक्रम के आयोजक संजय डोलसे की सराहना की। कार्यक्रम में विधायक तुकाराम काते, आर पी आई महाराष्ट्र महासचिव गौतम सोनावणे.काकासाहेब खंबालकर. मुंबई अध्यक्ष सिद्धार्थ कासारे नगर सेविका संवृद्धि काते.,अनीस पठान,.साहेबराव ससाणे.,प्रवीण मोरे,.सतीश निकालजे इत्यादि मान्यवर उपस्थित थे. कार्यक्रम का सूत्र संचालन सुभाष सालवे ने किया। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया दक्षिण मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष संजय डोलसे ने रामदास आठवले सहित सभी अतिथियों को शाल और गुलदस्ता देकर उन्हें सम्मानित किया।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का 'एनिमेशन एक्सप्रेस' के साथ सहयोग

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने 'एनिमेशन एक्सप्रेस' के सहयोग से मुंबई के नेस्को एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित 'एनिमे इंडिया 2026' के मुंबई संस्करण का सफलतापूर्वक समापन किया। तीन दिवसीय इस आयोजन में 45,000 से अधिक एनिमे प्रशंसकों, गेमर्स, कॉस्प्लेअर्स, क्रिएटर्स और पॉप-कल्चर प्रेमियों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन टीकेएम के लिए जेन-जी और युवा मिलेनियल्स के साथ उनकी सांस्कृतिक रुचि के माध्यम से जुड़ने और ब्रांड के प्रति उनका जुड़ाव मजबूत करने का एक अनूठा मंच बना। 'एनिमे इंडिया 2026 मुंबई' में टीकेएम ने अपनी अर्बन क्रूजर हाइराइडर, टोयोटा ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर टैसर को पेश किया। इन गाड़ियों पर मशहूर एनिमे 'अटैक ऑन टाइटन' से प्रेरित विशेष रैप्स (डिजाइन) किए गए थे, जो पूरे कार्यक्रम में आकर्षण का मुख्य केंद्र बने रहे। टोयोटा के मुख्य बूथ पर स्पिन-द-व्हील, स्टैम्प रैली और क्विज प्रतियोगिता जैसी कई इंटरैक्टिव गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसने आगंतुकों को एक यादगार और जीवंत अनुभव प्रदान किया। भारत के प्रमुख एनिमे सम्मेलनों में से एक माने जाने वाले 'एनिमे इंडिया' ने अपने पिछले तीन संस्करणों में 1 लाख से अधिक जेन-जी युवाओं को आकर्षित किया है। यह मंच लाइसेंस प्राप्त एनिमे, मंगा, गेमिंग और जापानी लोकप्रिय संस्कृति का जश्न मनाता है, जहाँ देशभर से प्रशंसक, कॉस्प्लेअर्स, क्रिएटर्स और अंतरराष्ट्रीय उद्योग प्रतिनिधि एक साथ आते हैं। इस तरह की पहलों के माध्यम से, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर भारतभर में उभरते ग्राहक वर्गों और युवा दर्शकों से जुड़ने के लिए प्रासंगिक मंचों की तलाश जारी रखे हुए है। मुंबई संस्करण में 'नारुतो' के दिग्गज निर्देशक हायातो दाते, 'स्वॉर्ड आर्ट ऑनलाइन' और 'फेट/अपोक्रिफा' के थीम सॉन्ग्स के लिए मशहूर गायिका एएसबीए , लूना गाओमी, यूरा अकारी और जे-पॉप जोड़ी मोफमोफमो जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने शिरकत की। इसके अलावा कार्यक्रम में 'डेमन स्लेयर', 'नारुतो', 'जुजुत्सु काइसेन' और 'डोरेमोन' से प्रेरित विशेष जोन बनाए गए थे। साथ ही 100 से अधिक एक्जीबिटर्स के साथ पोकेमोन चैम्पियंस बूथ, जापानी सांस्कृतिक अनुभव, कॉस्प्ले और एनिमे प्रतियोगिताओं ने प्रशंसकों को एक शानदार और भव्य पॉप-कल्चर अनुभव प्रदान किया।

केसीएन क्लब ने शिक्षक दिवस पर 10 कर्तव्यनिष्ठ शिक्षकों को दिया महाराष्ट्र शिक्षक गौरव सम्मान

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर नगर में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड् क्लब केसीएन क्लब द्वारा शिक्षा को विशेष महत्व देने के लिए शिक्षक दिवस पर विशेष आयोजन किया गया।कार्यक्रम में प्रदेश के कर्तव्यनिष्ठ शिक्षको को महाराष्ट्र विशिष्ट शिक्षक गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अनिरुद्ध इंग्लिश हाईस्कूल के प्रबन्धक अनिल बी चौधरी ने की व मुख्य अतिथि के रूप में आशादीप विद्या मंदिर हाईस्कूल के मुख्याध्यापक हरिओम शरण मिश्र व विशिष्ट अतिथि के रुप में पत्रकार साहित्यकार सम्पत उजाला आमेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन केसीएन क्लब युवा मोर्चा सचिव चन्दन झा ने किया। कार्यक्रम में पूर्व प्राइमरी शिक्षक, सांगली महाराष्ट्र माणिकराव कोकने, खेलकूद शिक्षक क्रिकेट के क्षेत्र में, पालघर ललित शुक्ला, श्री अनिरुद्ध इंग्लिश हाईस्कूल की शिक्षिका गीता अनिल चौधरी, अंकिता विद्या मन्दिर हाईस्कूल, यादव नगर बोईसर के शिक्षक किशन मिश्र बोईसर मिलिट्री स्कूल एंड जूनियर कॉलेज की मुख्याध्यापिका प्राथमिक विभाग, शुभांगी जाधव, आशादीप विद्या मंदिर हाईस्कूल के शिक्षक प्रिंस कुमार त्रिपाठी, विराज इंटरनेशनल स्कूल पी जी टी इंग्लिश शिक्षिका नीरजा श्रीवास्तव, वैदिक क्लासेज ओसवाल बोईसर के शिक्षक नीतीश नवीन चौधरी, दी इंटरेक्टिव एड्युको इनकॉरपोरेटेड पास्थल के शिक्षक जयशंकर कृष्णन नायर (जे के सर), तारापुर विद्या मंदिर स्कूल के पूर्व शिक्षक, खेलकूद प्रशिक्षक लक्ष्मण राव को महाराष्ट्र विशिष्ट शिक्षक गौरव सम्मान पत्र, शॉल श्रीफल तिरंगा पट्टा, पुस्तक कलम भेंट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संगठन की साहित्यिक उपशाखा निर्झरिणी की 153 मासिक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें शिक्षक विषय पर कवि शेखर तिवारी, कवि बसन्त चौहान, कवि सम्पत उजाला सहित साहित्यकारों ने अपनी बेहतरीन रचनाओं से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में टाटा स्टील के भूतपूर्व कर्मचारी प्यारेलाल पाटिल, गोपाल शर्मा संजय भानुशाली, विनोद तिवारी प्रदीप पाण्डेय, नागेश्वर दास, आस्मित नारायण, राकेश शर्मा, बैजनाथ महतो संजय यादव सहित अन्य अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत मे केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्दन मिश्र त्यागी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

आदिवासी छात्राओं को मिला जीवन मूल्यों का पाठ

◆ऑनलाइन मार्गदर्शन कार्यक्रम में आश्रम विद्यालयों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

◆डॉ. विद्या जोशी ने किशोरियों के सर्वांगीण विकास पर किया मार्गदर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आदिवासी विकास विभाग और जीवनविद्या मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आदिवासी छात्राओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से कली उमलताना विषय पर विशेष ऑनलाइन मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के ठाणे, नाशिक, नागपुर और अमरावती विभागों की करीब 650 आश्रम विद्यालयों की हजारों आदिवासी छात्राओं के साथ महिला अधिकारी, शिक्षिकाएं और महिला कर्मचारी भी ऑनलाइन शामिल हुईं। कार्यक्रम में अमेरिका स्थित चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. विद्या जोशी (टऊ वरअ) ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बदलावों के साथ सामाजिक एवं नैतिक विकास पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्राओं से आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, सही निर्णय लेने की क्षमता तथा जीवन मूल्यों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना करते हुए अपर आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, ठाणे गोपीचंद कदम ने कहा कि आदिवासी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संस्कारक्षम एवं मार्गदर्शनपरक उपक्रमों का लगातार आयोजन आवश्यक है। उन्होंने आश्रम विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए संस्कार शिक्षा अभियान चलाने की आवश्यकता भी व्यक्त की। इस उपक्रम को सफल बनाने में डॉ. किशोर संखे के विशेष प्रयासों के साथ सहायक प्रकल्प अधिकारी शरद लोणारे तथा प्राचार्य एवं महाराष्ट्र राज्य मुख्याध्यापक संघ के राज्य कार्याध्यक्ष गणेश गावडे का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। जीवनविद्या मिशन के आजीव विश्वस्त प्रल्हाद पै तथा विश्वस्त उषा पालकर के मार्गदर्शन में मिशन की टीम ने कार्यक्रम के तकनीकी प्रबंधन और नियोजन को प्रभावी ढंग से पूरा किया। कार्यक्रम का तकनीकी नियोजन एवं सूत्रसंचालन कु. मेघना पाडावे ने किया। कार्यक्रम को छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं महिला कर्मचारियों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला। छात्राओं ने ऐसे मार्गदर्शनपरक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किये जाने की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर गोपीचंद कदम ने आश्वासन दिया कि आदिवासी विकास विभाग की आश्रम विद्यालयों में जीवन मूल्यों एवं संस्कार आधारित शिक्षा के उपक्रम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से लगातार चलाने के लिए नियोजन किया जायेगा। शिक्षा के साथ संस्कार, संस्कार से व्यक्तित्व विकास और व्यक्तित्व विकास से उज्ज्वल भविष्य की संकल्पना को साकार करने वाला यह उपक्रम आदिवासी छात्राओं में आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण और सक्षम व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

दुद्धी पुलिस ने 1.38 कुंतल अवैध डोडा छिलका संग दो तस्करों को दबोचा

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में दुद्धी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अर्टिगा कार से 1 कुंतल 38 किलो 538 ग्राम अवैध डोडा छिलका बरामद किया। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 20 लाख 78 हजार 70 रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार कर तस्करी में प्रयुक्त कार और मोबाइल फोन भी बरामद किया।

रखवाड़ घाटी में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने संदिग्ध अर्टिगा कार को रोककर तलाशी ली। कार की पिछली सीट हटाकर बनाए गए गुप्त स्थान में नौ बोरियां छिपाकर रखी गई थीं। तलाशी में बोरियों से डोडा छिलका बरामद हुआ।

कार की पिछली सीट निकाल नौ बोरियों में छिपाया था डोडा छिलका, 20.78 लाख का माल बरामद

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनूप साहू (31) निवासी बरेली और राहुल (24) निवासी बरेली के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीन तस्कर अभी वांछित: पुलिस जांच में तस्करी नेटवर्क से जुड़े अबदुल्ला, नदीम उर्फ नकत और विजय कश्यप के नाम सामने आए हैं। तीनों को वांछित घोषित कर उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी अनूप साहू के खिलाफ बरेली में सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत वर्ष 2022 और 2024 में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब मादक पदार्थ के स्रोत, गंतव्य और पूरे तस्करी नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

सहारनपुर की सदियों पुरानी मस्जिद गिराए जाने पर अरशद खान ने जताई नाराजगी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सहारनपुर में सदियों पुरानी मस्जिद को जिला प्रशासन द्वारा ध्वस्त किए जाने की खबर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर मोहम्मद अरशद खान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कार्रवाई को चिंताजनक और निंदनीय बताते हुए मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि यदि मस्जिद के संबंध में कोई कानूनी विवाद था तो उसका समाधान न्यायालय के माध्यम से होना चाहिए था। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी पुरानी धार्मिक इमारत को गिराने की आवश्यकता क्यों पड़ी और कार्रवाई के लिए कौन-सी कानूनी एवं न्यायिक प्रक्रिया अपनाई गई।

उन्होंने कहा कि बुलडोजर की कार्रवाई से किसी समुदाय की आस्था और संविधान में उसके विश्वास को नहीं कुचला जा सकता। भारत का मुसलमान भी देश का बराबर का नागरिक है और संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है।

अरशद खान ने कहा कि धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों में प्रशासन को संविधान, कानून और न्यायालय के आदेशों का पूरी तरह पालन करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक स्थलों को लेकर भय का माहौल पैदा करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर नफरत की राजनीति देश को कमजोर करेगी। भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति और धार्मिक सौहार्द उसकी साझा विरासत है, जिसे किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।

मोहम्मद अरशद खान ने सरकार से मांग की कि सहारनपुर में मस्जिद ध्वस्तीकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, कार्रवाई का लिखित आदेश और कानूनी आधार सार्वजनिक किया जाए तथा मस्जिद से संबंधित ऐतिहासिक एवं राजस्व अभिलेख सामने लाए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि कार्रवाई में कानून या न्यायिक प्रक्रिया का उल्लंघन पाया जाता है तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को न्याय और उचित कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए तथा भविष्य में किसी भी धार्मिक स्थल पर कार्रवाई से पहले संविधान, कानून और न्यायालय के आदेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

अंत में उन्होंने कहा कि भारत किसी एक धर्म के लोगों की जागीर नहीं है। इस देश पर हर भारतीय का बराबर अधिकार है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि सहारनपुर की सदियों पुरानी मस्जिद को किस कानूनी आधार पर गिराया गया।

मीरगंज के रामगढ़ में चोरों का धावा, 62 हजार नकदी समेत लाखों की भीषण चोरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए 62 हजार रुपये की नकदी और आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़ित परिवार ने पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, रामगढ़ निवासी अवधेश कुमार दूबे के घर में कृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन रात में परिवार के पुरुष और रिश्तेदार बरामदे में सो रहे थे। इसी दौरान चोर घर में घुस गए। बताया जा रहा है कि चोरों ने महिलाओं के कमरे की कुंडी बाहर से बंद कर दी और दूसरे कमरे में रखी नकदी व गहने लेकर फरार हो गए।

परिजनों के मुताबिक, चोर बाथरूम के रास्ते घर से बाहर निकले और चोरी को अंजाम देकर फरार हो गए। सुबह जब परिवार के लोगों ने ताला टूटा देखा तो उनके होश उड़ गए। अवधेश कुमार दूबे ने बताया कि घर की बाउंड्री वॉल बनवाने के लिए 62 हजार रुपये नकद रखे गए थे, जिसे चोर ले गए। इसके अलावा घर में रखे आभूषण भी चोरी हुए हैं।

घटना की सूचना पीड़ित ने डायल 112 पर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और चोरों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

झटका मशीन के करंट से युवक की मौत का खुलासा, भूस्वामी गिरफ्तार

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुजुक्कीपुर गांव में खेत में मिले 30 वर्षीय दीपक विश्वकर्मा के शव के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना में सामने आया कि खेत की सुरक्षा के लिए लगाए गए झटका मशीन के करंट की चपेट में आने से दीपक की मौत हुई थी।

दीपक 30 अगस्त की भोर शौच के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। एक सितंबर को उसका शव ग्राम पंचायत भवन के पीछे राजेश यादव के खेत में मिला था। हाथ पर जलने के निशान पाए गए थे। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस ने पहले अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। जांच के दौरान साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में गैर इरादतन हत्या की धारा बढ़ाई गई और खेत के भूस्वामी राजेश यादव का नाम सामने आया। पुलिस ने उसे गौसपुर बाजार से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

गिरफ्तारी टीम: थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रेमशंकर सिंह, कांस्टेबल रणविजय यादव व ओमकार यादव।

मारपीट के मुकदमे में आरोपित भाई-बहन गिरफ्तार

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पट्टीदार से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित भाई-बहन को खुटहन पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों का चालान न्यायालय भेज दिया। थाना प्रभारी विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सूरज दुबे और उसकी बहन शिवानी दुबे को गोबरहां तिराहा के पास से गिरफ्तार किया। पिछले सप्ताह आपसी विवाद को लेकर पट्टीदारों के बीच मारपीट हुई थी। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश की जा रही थी। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक महेंद्र यादव, कांस्टेबल इंद्रजीत गोंड, कुलदीप शाही और महिला आरक्षी प्रियंका शामिल रहीं। जरूरी लिखापढ़ी के बाद दोनों आरोपितों को न्यायालय भेज दिया गया।

पॉलिटेक्निक चौराहे पर ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित ट्रक ने मचाई तबाही

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के पॉलिटेक्निक चौराहे पर देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि शनिवार की रात करीब ढाई बजे एक ट्रक का अचानक ब्रेक फेल हो गया। इसके बाद ट्रक अनियंत्रित होकर फ्लाईओवर और ब्रिज के रास्ते अहमद खां मंडी क्षेत्र की ओर से पॉलिटेक्निक चौराहे की तरफ पहुंचा और डिवाइडर से जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, अनियंत्रित ट्रक ने रास्ते में कई वाहनों को भी टक्कर मारी। इसके बाद पॉलिटेक्निक चौराहे के पास डिवाइडर से भिड़ने के बाद ट्रक रुक गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन के परखच्चे उड़ गए।

दिन में होता हादसा तो हो सकता था बड़ा नुकसान: गनीमत रही कि हादसा रात करीब ढाई बजे हुआ, उस समय सड़क पर आवाजाही काफी कम थी। यदि यही घटना दिन के व्यस्त समय में होती तो स्थिति बेहद भयावह हो सकती थी। बड़ी संख्या में राहगीर और वाहन इसकी चपेट में आ सकते थे।

भारी वाहनों की आवाजाही पर उठे सवाल: इस घटना ने अहमद खां मंडी क्षेत्र से फ्लाईओवर होते हुए पॉलिटेक्निक चौराहे तक भारी वाहनों की आवाजाही और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने, यातायात व्यवस्था मजबूत करने और सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोकने के लिए प्रशासन को समय रहते आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

बाढ़ के बीच सामने घाट पर मां गंगा की उतारी आरती, बाढ़ के संकट से राहत के लिए की प्रार्थना

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में गंगा के बढ़ते जलस्तर और तटवर्ती क्षेत्रों में बने बाढ़ के संकट के बीच रविवार को सामने घाट पर नमामि गंगे के स्वयंसेवकों ने विशेष स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान गंगा तट की सफाई के साथ मां गंगा की आरती उतारी गई। आरती में गंगा के जलस्तर में शीघ्र कमी आने, बाढ़ का संकट समाप्त होने और तटवर्ती क्षेत्रों में रहने लोगों की सुरक्षा की कामना की गई। अभियान के दौरान घाट पर मौजूद लोगों को गंगा संरक्षण, स्वच्छता और प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों ने कहा कि गंगा की स्वच्छता केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि जनभागीदारी से ही अभियान को स्थायी सफलता मिल सकती है। कार्यक्रम में राजेश शुक्ला, सुभाष श्रीवास्तव, लल्लन सिंह, गुड्डू महाराज, शशिकांत पाण्डेय, प्रमोद कुमार पाण्डेय, किरण पाण्डेय, राजकपूर सिंह, कृष्णानंद, आशीष कुमार राय, केदारनाथ त्रिपाठी, विनोद सिंह, राम सिंह सहित अन्य स्वयंसेवक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान की जिला कार्यशाला संपन्न, बूथ स्तर तक पहुंचेगा अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत एक दिवसीय जिला कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी रहीं। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की।

अनिल श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहा है। अभियान के माध्यम से कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी जनता तक पहुंचाएंगे।

राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने

कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' संगठनात्मक कार्यक्रम के साथ जनता से सीधे संवाद और सेवा का माध्यम है। कार्यकताओं को बूथ स्तर तक पहुंचकर जरूरतमंदों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करना होगा।

जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि जौनपुर का प्रत्येक कार्यकर्ता अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेगा। मंडल से लेकर बूथ स्तर तक अभियान को प्रभावी ढंग से पहुंचाना पार्टी की प्राथमिकता है। कार्यशाला में पार्टी के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीएचयू अस्पताल के आईसीयू में पद्मश्री प्रो.टी.के. लहरी से मारपीट का आरोप

◆ जांच के लिए मेडिकल बोर्ड गठित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बीएचयू अस्पताल के आईसीयू में करीब आठ महीने से भर्ती कार्डियोथोरेसिक विभाग के 85 वर्षीय इमेरिटस प्रोफेसर और पद्मश्री सम्मानित प्रो. टीके लहरी के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार का गंभीर मामला सामने आया है। परिजनों ने कार्डियोथोरेसिक विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरविंद पांडेय पर गाली-गलौज करने और थप्पड़ मारने का आरोप लगाया है। घटना में प्रो. लहरी के चेहरे पर चोट और एक आंख के लाल होने की बात कही जा रही है।

परिजनों के अनुसार, घटना 29 अगस्त की रात बीएचयू के सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक की पांचवीं मंजिल स्थित कार्डियोथोरेसिक विभाग के आईसीयू में हुई। प्रो. टीके लहरी 27 जनवरी से आईसीयू में भर्ती हैं और उनका उपचार चल रहा है।

परिजनों का कहना है कि उन्हें 1 सितंबर को विभागीय स्तर से घटना की जानकारी मिली। इसके बाद प्रो. लहरी को लगी चोटों से संबंधित फोटो और वीडियो भी उन्हें उपलब्ध कराए गए। मामले की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने ईमेल के माध्यम से बीएचयू के कुलपति, आईएमएस बीएचयू के निदेशक और चिकित्सा अधीक्षक से शिकायत की।

मामला कुलपति तक पहुंचने के बाद बीएचयू प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए जांच के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया है। आईएमएस बीएचयू के निदेशक और चिकित्सा अधीक्षक ने आईसीयू पहुंचकर प्रो. टीके लहरी का हाल जाना। मेडिकल बोर्ड के सदस्यों ने भी आईसीयू में पहुंचकर मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जानकारी ली।

फिलहाल प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच की जा रही है। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट और जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

समाजसेविका नाजिया खान की छठी पुण्यतिथि पर शांति सभा का हुआ आयोजन

समाज के प्रति योगदान को किया याद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के मोहल्ला अहमद खां मंडी निवासी वरिष्ठ समाजसेविका स्वर्गवासी नाजिया खान की छठी पुण्यतिथि पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उन्हें नम आंखों से याद किया। इस अवसर पर अशियम जनकल्याण फाउंडेशन के तत्वाधान में एक शांति सभा का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला।विदित हो कि अशियम जनकल्याण फाउंडेशन की उपाध्यक्ष रहीं नाजिया खान का देहांत एक लंबी बीमारी के बाद बीएचयू में इलाज के दौरान 5 सितंबर 2020 को हो गया था। वह अपने पीछे एक ढाई साल का पुत्र और छह साल की पुत्री छोड़ गई थीं। अपने जीवनकाल में नाजिया बच्चों की शिक्षा, उनकी बेहतर परवरिश और समाज की वंचित व जरूरतमंद महिलाओं के उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत और फिक्रमंद रहीं। उनके इसी सेवा भाव को याद करते हुए आज क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के पहले चरण में उपस्थित लोगों ने नाजिया खान की कब्र पर पहुंचकर फातिहा पढ़ी और उनकी आत्मा की शांति के लिए दुआ की। इस शांति सभा और श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्य रूप से मास्टर मेराज, इम्तियाज सिद्दीकी, दारोगा खान, शब्बीर हैदर, राजेश गुप्ता, कन्हैया मौर्य, अब्दुल सलाम, मास्टर कलीम सिद्दीकी, दिलदार अहमद, अतीक अहमद, शेराज मास्टर, शम्स आलम, विजय अग्रहरि, अफसा, अशियम और आफताब अली राजू समेत भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

चकमार्ग पर ट्रांसफार्मर व बिजली के पोल से आवागमन बाधित

समाधान दिवस में ग्रामीणों ने की सार्वजनिक रास्ता खाली कराने की मांग

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुफ्तीगंज विकास खंड के ग्राम बलईपुर बैरगिया (पतीला) के ग्रामीणों ने शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर सार्वजनिक चकमार्ग पर लगाए गए विद्युत ट्रांसफार्मर और बिजली के पोल हटवाने की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि चकमार्ग पर ट्रांसफार्मर स्थापित करने के साथ ही दोनों ओर बिजली के पोल लगा दिए गए हैं, जिससे रास्ते से आवागमन बाधित हो गया है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। शिकायतकर्ता एवं भूतपूर्व सैनिक कुनाल यादव ने बताया कि कटहरी सीमा स्थित इस चकमार्ग से आसपास के कई गांवों के लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग द्वारा सार्वजनिक रास्ते पर ट्रांसफार्मर लगाए जाने के कारण

लोगों को बिजली के पोलों के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। इससे करंट लगने समेत अन्य हादसों का खतरा बना हुआ है। मामले की शिकायत 29 अगस्त को मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी की गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने संपूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी अखिलेश सिंह को प्रार्थना पत्र सौंपा। एसडीएम ने मामले में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों ने बेलांव बाजार-बीरमपुर चंडी मार्ग और मामपुर-भडेहरी मार्ग की जर्जर स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उनका कहना है कि बरसात में इन मार्गों पर आवागमन बेहद कठिन हो जाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से चकमार्ग की जांच कराकर बिजली के पोलों को एक ओर स्थानांतरित कराने और सार्वजनिक रास्ते को पूरी तरह खाली कराने की मांग की है, ताकि सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सके।

नगर पंचायत कचगाँव में विकास कार्यों का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

डिजिटल लाइब्रेरी शीघ्र शुरू कराने के निर्देश, सड़क निर्माण में खामियां मिलने पर ठेकेदार को नोटिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने रविवार को नगर पंचायत कचगाँव में विभिन्न विकास कार्यों का औचक स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसी रोड, सीसी नाला, डिजिटल लाइब्रेरी और पेयजल योजनाओं की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सीएमवाई योजना के अंतर्गत गोल कोठी के पास संचालित होने वाली डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने, स्टाफ की नियुक्ति करने और लाइब्रेरी को शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। माधोपट्टी गेट के पास स्थित लाइब्रेरी में खिड़की की फिटिंग दुरुस्त कराने तथा चारों ओर बाउंड्रीवाल बनवाने को कहा। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए।

नाला निर्माण और प्रत्येक घर को नाली कनेक्शन से जोड़ने की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने मझलेपुरा नाला से सभी घरों को जोड़ने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

माधोपट्टी में सीसी रोड के निरीक्षण के दौरान कार्य में कमियां पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने तथा अंतिम बिल से आवश्यक कटौती करने के निर्देश दिए।

पेयजल योजना के तहत कराए गए सभी रीबोर कार्यों की जीपीएस फोटो के साथ रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया। इसके अलावा अन्य नालों का निर्माण सीसी माध्यम से कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप कराए जाएं और उनकी गुणवत्ता व उपयोगिता से किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अंबष्ठ, अधिशासी अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिष्य ने साइकिल भेंट कर गुरु को किया सम्मानित

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बबुरी गांव स्थित राधाकृष्ण मंदिर परिसर में शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु-शिष्य परंपरा की अनूठी मिसाल देखने को मिली। कार्यक्रम में शिष्य कमला यादव ने अपने गुरु इंद्रसेन यादव को साइकिल भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गुरु-शिष्य का रिश्ता केवल शिक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह विश्वास, संस्कार और सम्मान की मजबूत नींव पर टिका होता है। गुरु अपने शिष्य को ज्ञान देने के साथ ही जीवन में सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। वहीं, शिष्य का अपने गुरु के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना भारतीय संस्कृति की खूबसूरत परंपरा है।

शिष्य द्वारा गुरु को साइकिल भेंट किए जाने से कार्यक्रम में भावुक माहौल रहा। आयोजक अरुण यादव ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि सुधांशु विश्वकर्मा, समरू राम यादव, संतोष यादव, रायसाहब यादव, मनीष यादव, राममिलन यादव, लालचंद्र यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

होम्योपैथिक चिकित्सालय में अंदर से लटका मिला ताला, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

कोन, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विकास खंड कोन के ग्राम पंचायत बागेसोती स्थित राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय में चिकित्साधिकारी एवं फार्मासिस्टों की कथित अनुपस्थिति को लेकर

चिकित्साधिकारी व फार्मासिस्टों की अनुपस्थिति का आरोप, कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों में आक्रोश है। शनिवार को अस्पताल का मुख्य द्वार अंदर से बंद मिला और मौके पर कोई चिकित्सक अथवा कर्मचारी मौजूद नहीं था। इससे नाराज ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल में तैनात चिकित्साधिकारी और फार्मासिस्टों की उपस्थिति अक्सर नगण्य रहती है, जिससे गरीब एवं आदिवासी क्षेत्र के लोगों को सरकारी स्वास्थ्य

सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने अस्पताल में तैनात कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने और मामले की जांच कराने की मांग की। समाजसेवी जोखन प्रसाद यादव एवं अमरकेश यादव ने कहा कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सालय खोले गए हैं, लेकिन कर्मचारियों की कथित लापरवाही के कारण लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल परिसर में चिकित्साधिकारी अथवा कर्मचारियों का नाम और मोबाइल नंबर भी अंकित नहीं है।प्रदर्शन में अमरकेश यादव, जोखन यादव, जितेंद्र, गोपाल, अब्दुल गफ्फार समेत अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

इस संबंध में होम्योपैथिक मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र ने कहा कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दही हांडी महोत्सव में दिखा एकता और जोश

बोइसर। भारतीय जनता पार्टी, बोइसर शहर की ओर से दही हांडी महोत्सव का आयोजन उत्साह और जोश के साथ किया गया। कार्यक्रम में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सांवरा ने शामिल होकर गोविंदा टीमों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर डॉ. हेमंत सांवरा एवं भरत राजपूत ने विजेता गोविंदा टीमों को इनामी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। दही हांडी फोड़ने के दौरान गोविंदाओं के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। टडॉ. सांवरा ने कहा कि दही हांडी केवल उत्सव नहीं, बल्कि पक्के इरादे, एकता, हिम्मत और मेहनत की पराकाष्ठा का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान गोविंदा टीमों में जोश और आपसी एकता देखने को मिली। परंपरा और संस्कृति की विरासत को सहेजते हुए आयोजित यह समारोह भाईचारे और एकता का संदेश देते हुए यादगार बना।

आसमान में उड़ती मौत! चाइनीज मांझे ने बाइक सवार की गर्दन चीरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझे का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार शाम सद्भावना पुल के पास बाइक से घर जा रहे 20 वर्षीय शगुन मौर्य की गर्दन अचानक धारदार मांझे की चपेट में आ गई। डोर से गर्दन कटने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। साथियों ने तत्काल कपड़े से रक्तस्राव रोकने का प्रयास किया और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। समय पर उपचार मिलने से उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना ने प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रशासन की कार्रवाई को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मलाड पठान वाडी में उत्साह के साथ मनाया गया दही हांडी महोत्सव

मुंबई, मलाड। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मुंबई के मलाड स्थित पठान वाडी में दही हांडी महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन आधार कल्चरल वेलफेयर एंड स्पोर्ट्स क्लब द्वारा किया गया, जिसके आयोजक उत्तर मुंबई के उपाध्यक्ष एड. ज्ञानमूर्ति शर्मा रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ राजहंस सिंह, विधायक अतुल भातखलकर, कामगार आघाड़ी मुंबई के अभिजीत राणे तथा भारतीय जनता पार्टी मुंबई महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा सहित कई पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।दही हांडी महोत्सव के दौरान पूरे परिसर में उत्साह, उमंग और भाईचारे का माहौल देखने को मिला। गोविंदा पथकों ने हांडी फोड़ने के लिए पूरे जोश और टीम भावना के साथ भाग लिया। उपस्थित अतिथियों ने गोविंदा पथकों का उत्साहवर्धन किया और आयोजन की सराहना की। आयोजकों की ओर से दही हांडी महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों, कार्यकताओं, पदाधिकारियों तथा महोत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाले सभी गोविंदा पथकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। आयोजन ने सामाजिक एकता, सहयोग और सांस्कृतिक परंपरा की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

सांताक्रुज वाकोला में कृष्ण जन्माष्टमी बड़े धूमधाम से मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सांताक्रुज वाकोला में श्री रामचरितमानस ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी गोकुल अष्टमी बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया । जिसमें कलाकारों का जन सैलाब लगा हुआ था । हजारों की संख्या में सभी भक्तों का आगमन हुआ श्री रामचरितमानस ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी और राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश राजाराम पाठक झूमते हुए तहे दिल से सब से सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया । पाठक ने बताया कि सनातन धर्म के प्रचार प्रसार हेतु किया जाता है। यह कार्यक्रम 20 साल से सांताक्रुज में अनवरत मनाया जाता है। श्री रामचरितमानस ट्रस्ट का पूरा परिवार सभी को कोटि-कोटि धन्यवाद देता है और हनुमान स्वामी महाराज से कामना करता है । सभी लोगों पर प्रभू कृपा बनाए रखे। यह जानकारी पन्नालाल दुबे ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी है।

2026 का भव्य समापन, अंतिम दिन लोगों ने की जमकर खरीदारी

पटना । बिहार महिला उद्योग संघ द्वारा आयोजित वार्षिक दशहरा मेला - 2026 का भव्य समापन ज्ञान भवन में संपन्न हुआ। 2 सितंबर से 6 सितंबर तक आयोजित इस मेले में अफगानिस्तान, बिहार सहित अन्य राज्यों के सैकड़ों महिला उधमियों ने हिस्सा लिया। मेले के समापन के दिन पटनावासिओं ने जमकर खरीदारी की। उद्योग विभाग, बिहार सरकार, एमएसएमई, डब्लूसीडीसी, नाबार्ड के सहयोग से आयोजित इस मेले में 230 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए थे जिनकी कुल बिक्री चार करोड़ छब्बीस लाख रही। समापन समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बिहार सरकार की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला कुमारी ने कहा कि महिलाएं हमेशा से ही शिल्पकार और निर्माणकर्ता रही हैं। बिहार महिला उद्योग संघ द्वारा आयोजित यह मेला महिलाओं को सशक्त मंच देता है जिससे वो अपने हुनर को प्रदर्शित करती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना किसी भी समाज का विकास नहीं हो सकता है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए बिहार महिला उद्योग संघ को अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सिडबी पटना की पीजीएम रश्मि रंजन, रुबन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सत्यजीत सिंह, चेयरपर्सन डॉ. बिभा सिंह, अटल इनक्यूबेशन सेंटर के मुख्य संचालन अधिकारी प्रमोद कर्ण, बिहार म्यूजियम के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा, निफ्ट पटना के निदेशक कर्नल राहुल शर्मा, लोकगायिका प्रिया मल्लिक ने भी दशहरा मेला - 2026 के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी और अपने उद्बोधन से महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित किया। बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा ने कहा कि इस मेले को लेकर लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया रही। उन्होंने कहा कि पिछले 31 वर्षों से सफलतापूर्वक इस मेले का आयोजन होता आ रहा है और आगे भी जारी रहेगा। जबकि बिहार महिला उद्योग संघ की कार्यकारी निदेशक डॉ. साधना झा ने कहा कि ऐसे आयोजन से महिला उद्यमियों का हौसला बढ़ता है और वो बड़े स्तर पर अपने द्वारा तैयार किये हुए उत्पादों का प्रदर्शन करती हैं। उन्होंने बताया कि इस पांच दिवसीय मेले में लोगों की अच्छी भीड़ रही। अगले वर्ष हम पुनः इस मेले का बड़े स्तर पर आयोजन करेंगे। कार्यक्रम में लोकगायिका प्रिया मल्लिक ने अपने गीतों से लोगों को खूब झुमाया। मेले में नमिता आजाद, मीरा श्रीवास्तव, प्रिया मल्लिक व जयंती देवी को स्त्री शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं बेस्ट उद्यमी के लिए रीना कुमारी (हैंडमेड ज्वेलरी) व उभरते उद्यमी के लिए सोनम कुमारी (एम के अडेनियम) को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बिहार महिला उद्योग संघ की उपाध्यक्ष इंदु अग्रवाल, डॉ. पूर्णिमा रॉय व किरण रंजन, संघ की सचिव मेनका सिन्हा, संयुक्त सचिव अंकिता, सदस्य साधना झा, प्रियंका, अम्बिका देव, मधुस्मिता, रूचि चौधरी, शांभवी ने अहम भूमिका निभाई।

पार्कसाईट में जगह-जगह धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

मुंबई। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर देशभर के साथ ही मुंबई के विक्रोली पार्कसाईट क्षेत्र में भी जगह-जगह श्रद्धा एवं उल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। विभिन्न मंदिरों एवं आवासीय परिसरों में धार्मिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इसी क्रम में विक्रोली पार्कसाईट स्थित श्री शंकर जी मंदिर आनंदगढ़ में पंडित ओमप्रकाश पांडेय के सौजन्य से जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। वहीं श्री विजय हनुमान मंदिर में बाबुलनाथ तिवारी, निलेश तिवारी एवं योगेश तिवारी के सौजन्य से तथा शांति हाउसिंग सोसायटी में रामगोविंद यादव के सौजन्य से जन्माष्टमी का आयोजन किया गया। इसके अलावा श्री वीर हनुमान मंदिर में भी श्रद्धापूर्वक जन्माष्टमी मनाई गई। श्री वीर हनुमान

मंदिर में महिला मंडली द्वारा भजन-कीर्तन एवं भजन संध्या प्रस्तुत की गई। भक्तिमय वातावरण में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का अनोखा दृश्य देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर महंत गणेश दास महाराज, रमाकांत तिवारी, योगेश तिवारी, प्रो. अभयकांत तिवारी, अरविंद शुक्ला, अजय पांडेय, रविंद्र यादव, दिनेश सिंह, आदेश मिश्र, सचिन शुक्ल,प्रथम प्रभाकर शुक्ल, अरविंद के. शुक्ल, रणजीत सिंह, संजय पांडेय, डॉ. चंद्रकेश विश्वकर्मा, हरिनारायण यादव, शुभम यादव, रमेश राजभर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण उपस्थित रहे।

दही हांडी महोत्सव सिर्फ त्योहार नहीं, बल्कि हमारी परंपरा है : स्नेहा दुबे पंडित

वसई। श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं दही हांडी महोत्सव के अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वसई पश्चिम के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित दही हांडी उत्सवों में शामिल होकर गोविंदा टीमों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि दही हांडी सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि हमारी ऐसी परंपरा है, जो एकता, विश्वास, तालमेल और टीम भावना की ताकत को दशार्ती है।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने पार्वती सिनेमा के पास शिव शक्ति मित्र मंडल, विशाल नगर अंबाडी रोड स्थित पब्लिक गणेशोत्सव मंडल एवं विशाल नगर रेजीडेंसी एसोसिएशन, पंचवटी नाका स्थित भारतीय जनता पार्टी प्रायोजित वसई युवा प्रतिष्ठान, 100 फीट रोड स्थित राष्ट्रीय सैनिक मित्र फाउंडेशन तथा राजहंस गेट स्थित भाजपा वसई रोड मंडल प्रायोजित संकल्प सेवा

फाउंडेशन के दही हांडी उत्सवों में सहभागिता की।

इस दौरान महिला एवं पुरुष गोविंदा टीमों, बाल गोविंदाओं, आयोजकों, पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। गोविंदा आला रे आलाह्व और श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा वसई पश्चिम क्षेत्र भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण नजर आया।

स्नेहा दुबे पंडित ने सभी गोविंदा टीमों, आयोजकों और नागरिकों को दही हांडी महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दही हांडी आस्था, परंपरा, एकता और हमारी समृद्ध संस्कृति का गौरव है।

चाहें तो इसे मैं उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के लिए और अधिक प्रभावशाली अखबारी शैली में, 2-3 आकर्षक हेडलाइन विकल्पों के साथ भी तैयार कर सकता हूं।

राजन नाईक ने विरार, नालासोपारा और वसई में दही हांडी उत्सव में दर्ज कराई उपस्थिति

विरार/नालासोपारा/वसई। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने विरार, नालासोपारा और वसई के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित दही हांडी उत्सवों में उपस्थित होकर गोविंदा टीमों का उत्साह बढ़ाया और नागरिकों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं।

राजन नाईक ने नालासोपारा पश्चिम में पाटनकर रोड स्थित राहुल इंटरनेशनल स्कूल के पास समता एकता मित्र मंडल, कृष गार्डन के पास संतोष प्रतिष्ठान तथा यशवंत गौरव-नीलमोर में भाजपा एवं महाराणा प्रताप समिति द्वारा आयोजित दही हांडी कार्यक्रमों में सहभागिता की। वहीं विरार पश्चिम के म्हाडा ग्राउंड के पास शिवसेना शिंदे गुट तथा मयकरवाड़ी-बजरंग डेयरी,

विराट नगर में भाजपा द्वारा आयोजित उत्सव में भी उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

नालासोपारा पूर्व में मोरेगांव लेक, महेश पार्क, सेंट्रल पार्क गार्डन, संयुक्ता नगर, कैपिटल मॉल के पास राजनगर तथा एवरशाइन सिटी सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित दही हांडी कार्यक्रमों में भी राजन नाईक शामिल हुए। वसई पूर्व के वालिव नाका और वालिव झील के सामने जानवी कॉम्प्लेक्स तथा वसई पश्चिम के विशाल नगर, अंबाडी रोड पर आयोजित उत्सवों में भी उन्होंने गोविंदा पथकों का उत्साह बढ़ाया।दही हांडी उत्सव के दौरान ढोल-ताशों और झांझ की गूंज, गोविंदा पथकों का जोश तथा ह्लगोविंदा आला रे आलाह्व के नारों से पूरा क्षेत्र उत्साह और भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। इस अवसर पर राजन नाईक ने आयोजन समितियों, गोविंदा टीमों और उपस्थित नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दही हांडी हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और आनंद की कामना की।

होर्डिंग नहीं, बूथ पर दम दिखाओ: विनोद तावड़े

मुंबई। भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े ने संगठन और चुनावी राजनीति की कार्यशैली को लेकर कहा कि होर्डिंग मत लगाओ, बूथ पर दम दिखाओ। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की असली ताकत बड़े-बड़े पोस्टर और होर्डिंग नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करने वाला कार्यकर्ता होता है।

तावड़े के अनुसार चुनाव के दौरान हर घर तक पहुंचने वाला जनसंपर्क, जनता के बीच सक्रिय कार्यकर्ता और बूथ पर मजबूत टीम ही वास्तविक परिणाम तय करती है। उन्होंने कहा कि कुछ समय के लिए होर्डिंग और बैनर जरूर दिखाई देते हैं, लेकिन जनता के बीच लगातार काम करने वाले कार्यकर्ताओं की पहचान लंबे समय तक बनी रहती है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि जननेताओं की लोकप्रियता केवल प्रचार सामग्री या दिखावे की मोहताज नहीं होती। उन्होंने नेताओं से अपील की कि पोस्टर-बैनर, स्वागत और काफिलों पर अनावश्यक खर्च करने के बजाय वही धन गरीबों के घर, जरूरतमंदों की मदद तथा लोगों को आत्मनिर्भर बनाने में लगाया जाना चाहिए। तावड़े ने कहा कि जब राजनीति जनता के लिए है, तो जनता की सुविधा भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से दिखावे के बजाय बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया।

कर्नाटक के घने जंगलों और हाथियों के बीच रोमांचक सफरे, पत्रकार नान बाबू चौहान की दक्षिण भारत यात्रा का अनुभव

बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। पत्रकार नान बाबू चौहान की दक्षिण भारत यात्रा रोमांच, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन के अनोखे अनुभवों से भरपूर रही। बलरामपुर से मोगलुरु तक ट्रेन एवं हवाई यात्रा के बाद उन्होंने कर्नाटक के मैसूर, कूर्ग और कोडागु के पहाड़ी एवं घने जंगलों का भ्रमण किया।

यात्रा के दौरान घने जंगल, ऊंची-नीची पहाड़ियां, झरने, कॉफी के विशाल बागान और विभिन्न प्रजातियों के पेड़-पौधों ने विशेष आकर्षित किया। जंगलों में वन्यजीवों और पक्षियों की मौजूदगी ने सफर को और रोमांचक बना दिया। इस यात्रा का सबसे खास अनुभव जंगलों में हाथियों के झुंड को करीब से देखना रहा। कई स्थानों पर हाथी सड़क पर आकर वाहनों के

सामने खड़े दिखाई दिए। ऐसे समय में वाहन चालकों और पर्यटकों को सतर्क रहना पड़ता है। वन्यजीवों के नजदीक जाने या उन्हें परेशान करने से बचना जरूरी है।

कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा से जुड़े जंगल कभी कुख्यात डाकू वीरप्पन के प्रभाव वाले क्षेत्रों के रूप में भी चर्चित रहे हैं। दुर्गम पहाड़ी रास्तों और घने जंगलों से गुजरते हुए इस क्षेत्र की भौगोलिक कठिनाइयों का भी अनुभव हुआ। मदिकेरी, कूर्ग और कोडागु की हरियाली, कॉफी बागान, झरने और शांत वातावरण पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। हालांकि वन्यजीवों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग के नियमों और सुरक्षा निदेशों का पालन बेहद जरूरी है। करीब तीन दिनों की इस यात्रा में लगभग डेढ़ लाख रुपये खर्च हुए। यात्रा भले ही महंगी रही, लेकिन दक्षिण भारत की प्राकृतिक संपदा, पहाड़ी जंगलों और वन्यजीवन को करीब से देखने का अनुभव बेहद अनमोल रहा। नान बाबू चौहान ने कहा कि यह यात्रा उनके लिए केवल पर्यटन नहीं, बल्कि भारत की प्राकृतिक विरासत को करीब से समझने का अवसर रही। उन्होंने देशवासियों से प्राकृतिक क्षेत्रों की यात्रा के साथ-साथ पर्यावरण और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

बाइक सवार को बचाने में पेड़ से टकराई तेज रफ्तार एर्टिगा, चालक का एक हाथ कटा

शुभम कुमार यादव

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबिरुद्दीनपुर बाजार के समीप रविवार को तेज रफ्तार एर्टिगा कार बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे चिलबिल के पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक का एक हाथ कट गया।

दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए। सूचना मिलते ही गौराबादशाहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल चालक को 112 वाहन की मदद से जिला अस्पताल सदर, जौनपुर भेजा, जहां उसका उपचार चल रहा है। बताया गया कि एर्टिगा गौराबादशाहपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही थी।

जौनपुर में श्री रामकथा के सफल आयोजन हेतु समन्वयक बैठक

जौनपुर। उत्सव मोटल के बैंक्वेट हॉल में आज बीआरपी इंटर कॉलेज, जौनपुर के मैदान में नौ दिवसीय श्री रामकथा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए समन्वय बैठक आयोजित की गयी। मालूम हो कि सेवा भारती के बैनर तले आयोजित होने वाली श्रीराम कथा स्थानीय बीआरपी इण्टर कालेज के मैदान पर होगी। आगामी 21 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2026 तक चलेगी। 20 अक्टूबर 2026 को कलश एवं शोभा यात्रा का कार्यक्रम होगा।कलश यात्रा का रुट मैप, कलश यात्रा को सुगम बनाने हेतु कलश वितरण पर चर्चा की गई। कलश यात्रा की एकरूपता के लिए एक रंग और एक डिजाइन की साड़ी का वितरण, झांकियां एवं शोभा यात्रा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण आयामों पर परिचर्चा करके उसकी रूपरेखा तैयार की गयी। श्री रामकथा के मुख्य आयोजक ज्ञानप्रकाश सिंह नें कहा कि यह कलश यात्रा भव्यता से परिपूर्ण होगी जिसकी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गयी है।

सभी के समन्वित प्रयास से दिव्य और भव्य श्रीराम कथा का आयोजन करने के प्रति हम संकल्पित है। जनपदवासियों के लिए यह कथा ऊर्जा प्रदान करेगी और उन्हें एक नये प्रकार की अनुभूति प्राप्त होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुरली पाल, प्रान्त कार्यवाह, काशी प्रांत, प्रांत संघचालक अंगराज सिंह, डॉ तेज सिंह, विभाग प्रमुख, सेवाभारती, अनिल गुप्ता, जिलाध्यक्ष सेवाभरती, जौनपुर, ब्रम्हेश शुक्ल, यमद्गनीपुरम, विद्वत समिति, डॉ उदयराज सिंह, पप्पू माली , राष्ट्रीय सचिव, अपना दल रएसश, निखिलेश सिंह , पूर्व अध्यक्ष, दुर्गा पूजा महासमिति, अरविन्द सिंह, माउंट लिट्रा, डॉ अरुण सिंह, शशांक सिंह रानू , डॉ मधुकर तिवारी, बबलू दूबे, मयंक नारायण, जेपी श्रीवास्तव, ऋचा सिंह, मीना यादव, सोनी जायसवाल, नारायण चौरसिया, प्रदीप सिंह रिंकू, उर्वशी सिंह, प्रीति गुप्ता, अंजना श्रीवास्तव, डॉ अंजना सिंह, डॉ वंदना सरकार, रजनी साहू, मिलन गुप्ता सहित अन्य विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंदौर में गोगा नवमी पर सफाई व्यवस्था संभालने उतरे जन प्रतिनिधि

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। गोगा नवमी के चलते रविवार को इंदौर में सफाई मित्रों को अवकाश दिया गया। शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो, इसलिए महापौर, निगम कमिश्नर, एमआईसी सदस्य, पार्षद और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि खुद सफाई करने उतरे। सुबह महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल, एमआईसी सदस्य निरंजन सिंह चौहान गुड्डू, अश्विनी शुक्ल, पार्षद कमल वाघेला और रूपाली पेंढारकर सहित कई संस्थाओं के लोग राजबाड़ा पहुंचे। सभी ने राजबाड़ा के बाहर और आसपास के क्षेत्र में झाड़ू लगाकर सफाई की। वाल्मीकि समाज के आराध्य देव श्री वीर गोगा जी का गोगा नवमी पर्व 5 सितंबर को था। इसके चलते 6 सितंबर दिन रविवार को सफाई मित्रों को अवकाश दिया गया, ताकि वे पर्व मना सकें।

सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए शहर के अलग-अलग स्थानों तथा सभी वार्डो पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, रहवासियों, सामाजिक संगठनों और निगम अधिकारियों ने सफाई की। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल और स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने बताया कि सफाई मित्रों के अवकाश के दौरान 'हम भी स्वच्छाग्रही महा जन भागीदारी अभियान' चलाया गया और क्षेत्र की साफ-सफाई की गई। इसके तहत जनप्रतिनिधियों और निगम अधिकारियों ने अपने-अपने जोन और वार्ड क्षेत्रों में संगठनों और रहवासियों के साथ मिलकर सफाई की गई।

मंदिर में ऋद्धि सिद्धि की मूर्ति बिराजी

लोहार्गल। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर तीर्थराज लोहार्गल के मुख्य मार्ग में स्थित ज्ञान बावड़ी के पास बने श्री गणेश मंदिर में भामाशाह व धर्मप्रेमी बद्री प्रसाद लुहानीवाल उदयपुरवाटी मय परिवार द्वारा रिद्धि सिद्धि मूर्ति की विधि विधान से पूजा अर्चना कर गणेश मंदिर में स्थापना की गई।जानकारी देते हुए डॉ राजेंद्र कुमावत ने बताया कि इससे पूर्व इस मंदिर में ही बिसाऊ निवासी प्रेमचन्द सिरस्वा (गुरूजी) द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति यहां पर स्थापित कर भव्य रूप दिया था।इस उपलक्ष पर समिति अध्यक्ष प्रकाश चंद्र प्रजापति, फूलचंद लुहानीवाल,बिरजू राम कुमावत,अमोलक पारमुवाल,मूलचंद बिवाल, बाबूलाल,प्रेमचंद सिरस्वा, मदन भाटीवाल,महावीर बासनीवाल सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे इस पुनीत कार्य के लिए समिति द्वारा लुहानीवाल परिवार का आभार प्रकट किया।

सम्मान से बढ़ा संकल्प, बच्चों के भविष्य को संवारने की राह हुई और मजबूत

-सुरेश गांधी

रॉबर्ट्सगंज। शिक्षक होना केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर सपनों के बीज बोना और उन्हें आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर बढ़ने का रास्ता दिखाना है। शिक्षक दिवस के अवसर पर जब उत्कृष्ट कार्य के लिए कलकली बहरा प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य वर्षारानी जायसवाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तो यह सम्मान उनके लिए व्यक्तिगत उपलब्धि से कहीं अधिक जिम्मेदारी और संकल्प का अवसर बन गया। कलेक्ट्रेट सभागार, रॉबर्ट्सगंज में आयोजित समारोह में जिलाधिकारी चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी, मंत्री संजीव गौड़, विधायक भूपेश चौबे एवं जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम ने वर्षारानी जायसवाल को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान मिलने के क्षण ने उनके शिक्षकीय जीवन की उस निरंतर साधना को रेखांकित किया, जिसमें विद्यालय केवल पढ़ाई की जगह नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र बनता है। सम्मान के बाद वर्षारानी जायसवाल ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए गौरव का विषय जरूर है, लेकिन इससे कहीं अधिक यह आगे की जिम्मेदारी का एहसास कराती है। उन्होंने कहा, यह सम्मान हमें अधिक निष्ठा, समर्पण एवं बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। कृतज्ञ हूँ, विनम्र हूँ और आगे और बेहतर करने के लिए प्रेरित हूँ। उनके शब्दों में सम्मान की चमक से अधिक शिक्षक के दायित्व की गंभीरता दिखाई देती है। उनके लिए प्रशस्ति पत्र मंजिल नहीं, बल्कि उस यात्रा का पड़ाव है, जहां हर दिन बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कुछ नया करने की चुनौती सामने होती है। शिक्षा की दुनिया में ऐसे सम्मान इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे कक्षा की चारदीवारी के भीतर होने वाले उन प्रयासों को सार्वजनिक पहचान देते हैं, जो अक्सर सुर्खियों से दूर रहते हैं। किसी शिक्षक के लिए बच्चों की आंखों में सीखने की चमक, उसके आत्मविश्वास में आया बदलाव और उसके भविष्य के प्रति जागा विश्वास ही सबसे बड़ा पुरस्कार होता है। वर्षारानी जायसवाल का सम्मान इसी शिक्षक-धर्म की निरंतरता का प्रतीक है। समारोह में मिला प्रशस्ति पत्र उनके कार्यों की सराहना भर नहीं, बल्कि यह संदेश भी है कि ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ शिक्षा को नई दिशा देने वाले शिक्षकों के प्रयास समाज के लिए अमूल्य हैं। वर्षारानी जायसवाल के लिए यह सम्मान आत्मसंतोष का क्षण नहीं, आत्ममंथन का अवसर है। उनका कहना है कि सम्मान मिलने के बाद अपेक्षाएं भी बढ़ती हैं। यही अपेक्षाएं उन्हें बच्चों के लिए और अधिक बेहतर करने, विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता को मजबूत करने और अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाने की प्रेरणा देती हैं। शिक्षक दिवस पर मिला यह सम्मान इसलिए खास बन जाता है कि इसके केंद्र में कोई पद या प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि शिक्षक का समर्पण है। एक शिक्षक जब सम्मान के बाद भी यही कहे कि आगे और बेहतर करना है, तो यही भाव शिक्षा की असली शक्ति और शिक्षक की सच्ची पहचान बन जाता है।

अखिलेश यादव से मिले युवा सपा नेता तनुज पाण्डेय, 2027 को लेकर बढ़ी सरगर्मी

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के मधुपुर गांव निवासी युवा सपा नेता तनुज पाण्डेय ने आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पार्टी संगठन, जनसेवा और बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुलाकात के बाद तनुज पांडे ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्गदर्शन से जनसेवा और बदलापुर के विकास के संकल्प को और मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को उठाना और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना उनकी प्राथमिकता है। वहीं, इस मुलाकात के बाद बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तनुज पांडे अपनी दावेदारी को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। लगातार क्षेत्र में सक्रियता और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात को इसी राजनीतिक तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से प्रत्याशी के चयन को लेकर अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व द्वारा ही किया जाएगा। फिलहाल तनुज पांडे की सक्रियता ने बदलापुर की सियासत में संभावित दावेदारों को लेकर चर्चा जरूर बढ़ा दी है।

SC/ST मामले में चार आरोपियों को कोर्ट से राहत

मुंबई। सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट, ग्रेटर बॉम्बे के विशेष SC/ST (अत्याचार निवारण) न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण आदेश में चार आरोपियों को SC/ST (PoA) अधिनियम की धारा 3(1)(r), 3(1)(s) तथा IPC की धारा 504 और 506 के आरोपों से डिस्चार्ज कर दिया। यह आदेश स्पेशल केस SC & ST No. 1643/2024 में विशेष न्यायाधीश वाई. पी. मनाठकर ने 20 अगस्त 2026 को भांडुप पुलिस स्टेशन के C.R. No. 340/2024 के संबंध में पारित किया। कोर्ट ने पूनम दिनेश तिवारी, ममता आनंद मिश्रा, मुक्तिनाथ गंगासागर पांडे और अमित त्रिवेणी मिश्रा के डिस्चार्ज आवेदन को स्वीकार किया। आरोपियों की ओर से एडवोकेट बाबू सिंह शेखावत ने पैरवी की। कोर्ट के समक्ष बचाव पक्ष ने दलील दी कि मूल FIR में आरोपी नंबर 2 से 5 के नाम या उनकी कोई विशिष्ट भूमिका दर्ज नहीं थी। जातिसूचक टिप्पणी का आरोप मुख्य रूप से आरोपी नंबर 1 पर लगाया गया था। पूरक बयान और शिकायतकर्ता की पत्नी के बयान में भी आरोपी नंबर 2 से 5 पर जातिसूचक गाली देने का स्पष्ट आरोप नहीं पाया गया। बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि आरोपी नंबर 2 से 5 को भांडुप पुलिस स्टेशन के C.R. No. 339/2024 मामले में गवाह होने के कारण इस मामले में फंसाया गया तथा FIR को कथित तौर पर काउंटर-ब्लास्ट के रूप में दर्ज कराया गया। इन परिस्थितियों को देखते हुए विशेष न्यायालय ने माना कि आरोपी नंबर 2 से 5 के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सामग्री उपलब्ध नहीं है। इसके बाद अदालत ने चारों के डिस्चार्ज आवेदन मंजूर करते हुए उन्हें मामले से राहत प्रदान की।

समाजसेवी डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति को भारत सेवा पुरस्कार 2026 से किया गया सम्मानित

पनवेल, नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक कार्य एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं निरंतर योगदान के लिए समाजसेवी डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति (सी.पी.) को 'भारत सरकार सेवा पुरस्कार 2026 (Exclusive National Award 2026) से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान जिवरान फाउंडेशन, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, डिजिटल इंडिया सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकी नीति आयोग भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उनके नई मुंबई एवं महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक योगदान जनसेवा तथा समाज हित में किए जा रहे निरंतर कार्यों के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान में डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति द्वारा समाज कल्याण, जरूरतमंद एवं वंचित समुदायों के सहयोग तथा जनसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई है। प्रमाणपत्र में उनकी समाजसेवा एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि उनका निरंतर सामाजिक समर्पण समुदायों के सहयोग तथा समाज के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने तथा जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी सक्रियता और निरंतर सहभागिता के लिए उन्हें समय-समय पर विभिन्न मंचों पर सम्मानित भी किया गया है।

भारत सेवा पुरस्कार 2026 से सम्मानित किए जाने पर उनके परिवार, सामाजिक सहयोगियों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों में हर्ष का वातावरण है। विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाजसेवियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल सामाजिक भविष्य की कामना की। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति ने आयोजक संस्था एवं अपने सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह सम्मान मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र में और अधिक जिम्मेदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा है। मैं भविष्य में भी समाजहित और जनसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहयोग पहुंचाना, सामाजिक एकता को मजबूत करना और जनहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता करना उनके लिए सदैव प्राथमिकता रहेगी।

सड़क पर जमा गंदा पानी: तारगहना के ग्रामीणों ने खुद संभाली सफाई की जिम्मेदारी

-आफताब आलम

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति) । शाहगंज तहसील क्षेत्र के तारगहना गांव में जलनिकासी की बदहाल व्यवस्था से ग्रामीण परेशान हैं। सड़क किनारे बनी नाली में मिट्टी और कीचड़ जमा होने से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। बारिश और घरों से निकलने वाला पानी सड़क पर जमा होने से राहगीरों और स्कूली बच्चों को आवागमन में परेशानी हो रही है। समस्या से परेशान ग्रामीणों ने शनिवार को खुद मोर्चा संभाला। उन्होंने श्रमदान कर नाली में जमा गंदगी और मिट्टी की सफाई शुरू की। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से नाली की सफाई नहीं हुई, जिससे जलनिकासी की समस्या लगातार गंभीर होती गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नाली की सफाई और जलनिकासी की समस्या को लेकर ग्राम प्रधान और जनप्रतिनिधियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ। इसके बाद ग्रामीणों को खुद सफाई के लिए आगे आना पड़ा। विधायक निधि से बनी है सड़क और नालीः ग्राम प्रधान मंगला बिंद ने बताया कि सड़क और नाली का निर्माण विधायक निधि से कराया गया है। उन्होंने मुख्य मार्ग की खराब स्थिति की जानकारी भी दी। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से नाली की नियमित सफाई कराने और जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

जैस्पर शिपिंग भारत में तेजी से बढ़ते कार्गो क्षेत्र को गति देने के लिए तीन वर्षों में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

दिल्ली। भारी मशीनरी और सीमेंट से लेकर खाद्यान्न, उर्वरक एवं कृषि उपज तक की ढुलाई करने वाली अंतरराष्ट्रीय कार्गो लॉजिस्टिक्स कंपनी जैस्पर शिपिंग ने आज घोषणा की कि वह भारत, खाड़ी क्षेत्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी सेवाओं का विस्तार करने के लिए अगले तीन वर्षों में 5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 450 करोड़ रुपये) तक का निवेश करेगी। यह निवेश कंपनी के प्रवर्तकों द्वारा चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा और बाजार की परिस्थितियों तथा नियामकीय एवं बोर्ड की मंजूरियों के अधीन होगा। यह निवेश ऐसे समय में किया जा रहा है, जब भारत तेजी से नई अवसंरचना का निर्माण कर रहा है और अपने कृषि, विनिर्माण एवं व्यापार क्षेत्रों का विस्तार कर रहा है। इन सभी क्षेत्रों में वस्तुओं और सामग्रियों को कारखानों, खेतों एवं बंदरगाहों से उन स्थानों तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने की आवश्यकता है, जहां उनकी जरूरत है। पहले चरण में कंपनी विभिन्न क्षेत्रों—बिजली, इस्पात, सीमेंट, कृषि, उर्वरक, पेट्रोकेमिकल्स, निर्माण सामग्री, भारी इंजीनियरिंग, विनिर्माण और बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं—में अपने कार्गो परिवहन कारोबार को मजबूत करने के लिए 1 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 90 करोड़ रुपये) खर्च करेगी। ऐसी सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत के प्रमुख बंदरगाहों ने वर्ष 2025-26 में 91.5 करोड़ टन से अधिक कार्गो का प्रबंधन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। रेल मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने जुलाई 2026 तक देशभर में 142 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल भी स्थापित किए हैं, जिनसे हर वर्ष लगभग 22.4 करोड़ टन की नई माल ढुलाई प्रबंधन क्षमता जुड़ी है।

951 भारतीय छात्रों ने गुल्लास कॉलेज ऑफ मेडिसिन से ली एमडी की डिग्री

मुंबई। गुल्लास कॉलेज ऑफ मेडिसिन, इंक. (जीसीएम) का 46वां दीक्षांत समारोह 28 अगस्त 2026 को सेबू सिटी के लाहुग स्थित वॉटरफ्रंट सेबू सिटी होटल एंड कसीनो में हुआ। दो सत्रों में चले इस समारोह में दुनिया भर के 1,000 से अधिक छात्रों ने डिग्री ली। इनमें 951 भारतीय छात्र थे, जिन्हें डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) की डिग्री मिली। विदेश में मेडिकल पढ़ रहे भारतीय छात्रों के लिए यह बड़ी कामयाबी है। इस बैच की सबसे बड़ी बात यह रही कि बैच जैंथ्रोन 2026 के सभी टॉप 10 छात्र भारत से थे। इससे पता चलता है कि इस संस्थान में भारतीय छात्रों का प्रदर्शन कितना मजबूत रहा है। समारोह की थीम थी, जीसीएम फिजीशियनः रूटेड इन कम्पैशन, ड्रिवेन बाय एक्सीलेंस, कमिटेड टू सर्विस। नए डॉक्टरों के लिए यह अहम पल था, जिसमें फिलीपींस में बिताए पढ़ाई के वर्षों, शैक्षणिक सफलता और नेतृत्व, तीनों को एक साथ सराहा गया। जीसीएम के अंतरराष्ट्रीय मेडिकल समुदाय में भारतीय छात्रों की मजबूत मौजूदगी भी इस मौके पर सामने आई। इस अवसर पर ट्रांसवर्ल्ड एजुकेयर के सीईओ और संस्थापक अध्यक्ष डॉ. डेविड पिल्लई ने कहा, गुल्लास कॉलेज ऑफ मेडिसिन से 951 भारतीय छात्रों का स्नातक होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और उनके परिवारों, शिक्षकों तथा उनके इस सफर में साथ देने वाले सभी लोगों के लिए गर्व का क्षण है। उनकी शैक्षणिक और एफएमजीई उपलब्धियां वह लगन और मजबूती दिखाती हैं, जो उन्होंने अपनी मेडिकल पढ़ाई के दौरान दिखाई है। अब जब वे चिकित्सा पेशे में कदम रख रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि वे फिलीपींस में बिताए समय की सीख और अनुभव को आगे बढ़ाते हुए दया, उत्कृष्टता और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित रहेंगे।

इन्शॉर्ट्स ने प्राइम वीडियो के 'द ट्रेटर्स' सीजन 2 के लिए इंटरएक्टिव टेकओवर के जरिए ध्यान खींचा और उसे भागीदारी में बदल दिया

मुंबई। जैसे-जैसे ब्रांड भीड़भाड़ वाले डिजिटल फीड में ध्यान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, एक इंप्रेशन का महत्व अब केवल दृश्यता तक सीमित नहीं रह गया है तो इसे कौन देखता है, यह किस माहौल में दिखाई देता है और उस ऑडियंस की स्वीकृति कैसी है, यह भी मायने रखता है। प्राइम वीडियो के 'द ट्रेटर्स' सीजन 2 के लिए, इंशॉर्ट्स ने इन एलीमेंट्स को एक साथ लाया, इंटरएक्टिव ऐप टेकओवर के जरिए जिसने उनके न्यूज फीड को शो की दुनिया का विस्तार बना दिया। संकेत, धोखा और रहस्य पर आधारित, इस अभियान ने यूजर्स को एक्टिवली संकेत खोजने और खुद ही अभियान को खोलने के लिए आमंत्रित किया। जब यूजर्स न्यूज स्टोरीज में स्वाइप कर रहे थे, शो से जुड़े एनिमेटेड सिम्बल्स दिखाए जाते थे तब उसमे बिल्ली, खंजर, चोघा, ढाल और लोगो थे। हर सिम्बल एक संकेत के रूप में काम करता था, यूजर्स को इसे पहचानने और टैप करने के लिए प्रोत्साहित करता था, जिससे उस खास हिस्से से जुड़ा एक टीजर अनलॉक होता था।

21 वर्षों से निरंतर चल रहा है कृष्ण जन्मोत्सव का विशाल भंडारा

दहीहंडी उत्सव एवं महाप्रसाद भंडारा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भगवान श्रीकृष्ण की कृपा एवं भक्तिमय वातावरण में आयोजित हृदहींडी (दहीकाला) उत्सव एवं भंडारा बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गोविंद भक्तों एवं नागरिकों ने उत्सव का आनंद तथा महाप्रसाद का लाभ लिया। निरंतर २१ वर्षों से चल रहे इस भंडारा का आयोजन रिचा इंटरनेशनल के राजु जैन, र.ए.ड. (विशेष कार्यकारी आधिकारी) जेके ब्रदर्स के कन्हैया काकड, गुप्ता बुक डिपो के हौसिला प्रसाद गुप्ता, एवं युवा व्यापारी आघाडी प्रमुख महाराष्ट्र राज्य के अभिजीत दादा चव्हाण ने किया।

कार्यक्रम का प्रोत्साहन बढ़ाने के लिए कई मान्यवरों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई इनमें महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, सी एवं डी प्रभाग समिति अध्यक्ष एवं नगरसेवक आकाश राज पुरोहित, नगरसेवक सन्नी सानप, पुलिस उपायुक्त प्रशांत परदेशी, सहायक पुलिस आयुक्त ज्ञानेश्वर वाघ, सहायक पुलिस आयुक्त रेणुका बुवा, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय दंडवते, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अविनाश कोटेकर, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रईस शेख, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रशांत साळुंखे, आदर्श होटल्स समूह के जगदीश पुरोहित, शिवसेना विभागप्रमुख एवं पूर्व नगरसेवक गणेश सानप, भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष व पूर्व नगरसेवक जनक संघवी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, दक्षिण मुंबई जिलाध्यक्ष महेंद्र पानसरे, युवा सेना महाराष्ट्र राज्य कार्यकारिणी सदस्य रुचिताई वाडकर, राजस्थान प्रेस क्लब के सचिव व मुंबई राजस्थान के संपादक ललित शक्ति राठौड़, महाराष्ट्र महासत्ता के ओमशंकर पाण्डेय, दिव्य कमल टाइम्स के कार्यकारी संपादक अभिषेक साटम, कुमार पाल जैन, अनील जैन, अमित चोकशी, सौहेल चोकशी, एवं ऐड. धरम मिश्रा। सभी मान्यवरों एवं उपस्थित गोविंद भक्तों के प्रति आयोजकों की ओर से हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया गया।

इस कार्यक्रम के विशेष सहयोगी रहे हेता गेम्स एंड ज्वेलरी पी. यु. पटेल, झा इंफ्रा कन्स्ट्रक्शंस सफारी बलिऑन, रुलझ डायमंड प्राइवेट लिमिटेड, मातेश्वरी ज्वेलर्स दलपत सोलंकी, नैतिक भाई, मानस भाई, ललित भाई, मास्टर चैन प्राइवेट लिमिटेड मदन कोठारी, भंडारे का आयोजन अत्यंत सुंदर एवं सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। भोजन प्रसाद को बनाने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ([illegible]) व मनपा द्वारा स्थापित सभी मापदंडों को कड़ाई से पालना की गई थी। तकरीबन 4500 श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से महाप्रसाद ग्रहण कर आयोजन को सफल बनाया। उपस्थित सभी नागरिकों के सहयोग, प्रेम एवं आशीर्वाद से यह धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम यादगार बन गया। मंच का सफल संचालन नथुलाल चौरसिया एवं दिलीप माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी मान्यवरों, गोविंद भक्तों, नागरिकों, सहयोगियों एवं कार्यकर्ताओं का मनःपूर्वक धन्यवाद!

शिक्षक दिवस पर भारतीय सदविचार मंच ने सात वरिष्ठ शिक्षकों को किया सम्मानित

मुंबई। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित संस्था भारतीय सदविचार मंच (शिक्षक प्रकोष्ठ) द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह दहिसर (पूर्व), मुंबई -68 स्थित भारतीय सदविचार मंच सभागार में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 7 वरिष्ठ शिक्षकों- डॉ. उमेशचन्द्र शुक्ला, गिरिजाशंकर त्रिपाठी, राम सिंह चंद्रेश सिंह, राधेश्याम पाण्डेय, माता प्रसाद चतुर्वेदी, सुशील कुमार दुबे एवं मिथिलेश मिश्रा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष, संस्था संस्थापक डॉ.राधेश्याम तिवारी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र का वास्तविक निमार्ता होता है। वह केवल विद्यार्थियों को शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि समाज को सही दिशा और संस्कार भी प्रदान करता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के रूप में शिक्षाविद् डॉ. हृदयनारायण मिश्रा, प्रसिद्ध टेक्नोक्रेट दिनेशचंद्र उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार अभय मिश्रा एवं आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षकों के योगदान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी सुभाषचंद्र उपाध्याय, अनिरुद्ध पांडे,सुरेश चौबे, प्रो.डॉ. अमरीश दुबे, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश मिश्रा, विनोद तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार भगवती मिश्रा, पत्रकार राजकिशोर तिवारी एवं हरिशंकर तिवारी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन संस्था के महामंत्री नागेन्द्र मिश्रा ने किया, जबकि स्वागत भाषण संस्था अध्यक्ष डॉ. शिवश्याम तिवारी ने दिया।समारोह में संस्था के कोषाध्यक्ष महेंद्र मिश्रा, पदाधिकारी मनोज चतुर्वेदी, गणेश प्रसाद पांडे,राम प्रकाश तिवारी, डॉ. मनोज मिश्रा एवं कमलाकांत त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। अंत में मार्गदर्शन मंडल के सदस्य ब्रज प्रसाद मिश्रा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षकों के सम्मान और उनके अमूल्य योगदान को समर्पित यह समारोह प्रेरणादायी एवं यादगार रहा। प्रीति भोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

24 कोशीय परिक्रमा के दौरान दूसरे दिन दिखा आस्था का सैलाब

चिराना (उत्तरशक्ति)। राजस्थान के शेखावटी क्षेत्र के प्रसिद्ध मेले लोहार्गल हेतु मालकेतु बाबा की 24 कोसीय परिक्रमा में साधु संतों के साथ यात्रियों का जत्था रविवार को भारी संख्या के साथ शाकंभरी पहुंचा। इस पवित्र यात्रा के दौरान पहले कोट बांध के निकट प्राचीन शिव मंदिर में ठाकुर जी की पालकी के साथ चल रहे संत महंतों का अभिनंदन किया गया,परिक्रमा के दूसरे दिन पड़ाव शाकंभरी में ही रात्रि विश्राम किया।इस परिक्रमा का समापन हर साल अमावस्या पर ही होता आया है। लोहार्गल के सूर्यकुंड में मुख्य स्नान के साथ ही मेला सम्पन्न होगा। इस पवित्र स्नान को लेकर किंवदंती रही है कि प्राचीन काल में महाभारत युद्ध के बाद अपने गोत्र की ही हत्या के पाप से मुक्ति के लिए पांडव विभिन्न तीर्थ स्थानों से स्नान करते हुए लोहार्गल पहुंचे थे। उनको बताया गया था कि तीर्थ यात्राओं के दौरान जहां स्नान करने पर आपके लोहे के अस्त्र-शस्त्र गल जाएंगे वहीं किए गए पाप का प्रायश्चित होगा और पाप से मुक्ति भी मिलेगी। सुनने में यह भी आया है कि लोहार्गल में अस्त्र-शस्त्र तथा भीम की गद्दा गल कर हल्की हो गई थी तथा बताई गई तिथि सोमवती अमावस्या को स्नान करने के लिए उनको 12 साल तक अरावली की वादियो में बिताने पड़े थे। इस भाद्रपद की सोमवती को अमावस्या पर किए इस स्नान के महत्व को समझा तब से ही यह क्षेत्र आस्था का केंद्र माना जाने लगा और तभी से लोहार्गल में भाद्रपद की अमावस्या अर्थात सोमवती अमावस्या का स्नान शुभ माना जाता रहा है और इसका पुण्य कमाने के लिए राजस्थान के अलावा पंजाब,हरियाणा ओर दिल्ली से भी काफी श्रद्धालु यहां हर साल आते रहें है और पुण्य के भागीदार बनते हैं।

दूर दराज से आने वाले परिक्रमार्थियों के लिए जगह जगह भंडारे, पंगत प्रसादी, अल्पाहार और चाय पानी की मुक्कमल व्यवस्था यहां के समाजसेवियों व धर्मप्रेमियों द्वारा की जाती रही है। 24 कोसीय फेरी में आए परिक्रमार्थियों हेतु गणेश मंदिर लोहार्गल में कुमावत समाज द्वारा, रानी सती मंदिर गोल्याणा में गोरा मंदिर ट्रस्ट द्वारा,चिराना संस्कृत कॉलेज के पास गढ़ बालाजी सेवा समिति के तत्वाधान में गुलाब नाटाणी व उसके परिवार द्वारा सराहनीय सेवा पिछले 3 सालों से की जाती रही है। चिराना निवासी गुलाब चंद नाटाणी इस सेवा भावना को लेकर दिल्ली से अपने काम को 5 दिन के लिए छोड़कर यहां सेवा करने के लिए परिवार सहित आते हैं। आज की सेवा में भंवर लाल,बाबूलाल,मुकेश चंद, अनिल,भव्य,हन्नी,राहुल ओर दौलत सहित पूरा परिवार और उनके मित्र सेवा में तत्पर दिखे। इसके अलावा जांगिड़ मोहल्ले में बालाजी सेवा समिति द्वारा,राजपूतों के मोहल्ले में लखदातार सेवा समिति के तत्वाधान में सुनारीवाल परिवार , चारभुजा मंदिर के पास पितृ सेवा समिति की ओर से,भेरू घाटी में भामाशाह गिरधारी लाल इंदौरिया द्वारा,मालखेत सेवा समिति व सैनी समाज द्वारा निःशुल्क भंडारे की व्यवस्था की गई। कुल मिलाकर यहां आस्था के सैलाब के साथ सेवा का जज्बा भी यहां के लोगों में देखने को मिलता है। सेवा भावना को देखकर राहगीर का हर मुसाफिर यह बोल उठता है, वाह वाह क्या सेवा भावना है यहां के लोगों में।

योगी के संज्ञान पर बीएचयू पहुंचे मंत्री, डॉ. लहरी ने कहा- कोई अप्रिय घटना नहीं हुई

वाराणसी। पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. टीके लहरी के बीएचयू में उपचार के दौरान कथित अप्रिय घटना की सूचना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश सरकार के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल रविवार को बीएचयू पहुंचे और अस्पताल में भर्ती डॉ. लहरी से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। बीएचयू की नई बिल्डिंग के पांचवें तल स्थित वार्ड में पहुंचे मंत्री ने डॉ. लहरी से उनके स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी ली। इस दौरान चिकित्सकों से भी उनकी स्वास्थ्य स्थिति और उपचार की प्रगति के बारे में जानकारी ली गई। मंत्री ने बीएचयू प्रशासन एवं चिकित्सकों को निर्देश दिया कि डॉ. लहरी के इलाज में हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए और उनकी देखभाल में किसी स्तर पर कमी न रहने पाए। मुलाकात के दौरान डॉ. लहरी ने मंत्री से बातचीत में अपने साथ किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने से साफ इनकार किया। इसके बावजूद मामले की सूचना और सामने आए तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश दिए, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके। मंत्री ने बीएचयू के चीफ प्राक्टर, आईएमएस निदेशक और डीसीपी की तीन सदस्यीय टीम गठित कर प्रकरण की जांच कराने को कहा। टीम से पूरे मामले की जानकारी जुटाकर तथ्यात्मक स्थिति सामने लाने को कहा गया है।

रविंद्र जायसवाल ने चिकित्सकों से कहा कि डॉ. लहरी जैसे वरिष्ठ चिकित्सक और पद्मश्री सम्मानित व्यक्तित्व के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जरूरत के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों और अन्य चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा उनकी नियमित स्वास्थ्य निगरानी होती रहे।मंत्री ने डॉ. लहरी को आश्वस्त किया कि उनके उपचार और स्वास्थ्य से जुड़ी आवश्यक व्यवस्थाओं में शासन स्तर से हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।डॉ. टीके लहरी चिकित्सा क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित हैं। उनके बीएचयू में उपचाराधीन होने की जानकारी के बाद चिकित्सा जगत और उनके शुभचिंतकों में उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है।